संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 172
पृष्ठ 8
मंगलवार
11 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– होली के रंगों से रंगी बर्फ की चुस्की

विचार– डिजिटल आर्ट के उभरते क्षेत्र में बनाएं...

खेल– ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हारने के बाद टीम...

मंत्रिपरिषद बैठकः स्टांप पेपर को लेकर मंत्रिपरिषद का बड़ा फैसला

हार्ड कॉपी की जगह लेंगे ई–स्टांप

- बंद पड़ी कताई मिलों पर स्थापित होंगे नए उद्योग
- आगरा मेट्रो रेल परियोजना के लिए भूमि हस्तांतरित
- राज्य स्मार्ट सिटी मिशन योजना को दो साल का विस्तार

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सूबे की योगी सरकार की मंत्रिपरिषद की बैठक की गई। बैठक लोकभवन में आयोजित की गई। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कुल 19 प्रस्तावों पर चर्चा हुई। सभी को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई है। इन प्रस्तावों में स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, शहरी विकास और कर्मचारी कल्याण से जुड़े कई अहम निर्णय शामिल हैं। योगी मंत्रिपरिषद की बैठक में बंद पड़ी कताई मिलों पर नए उद्योग लगाने को मंजूरी मिली। टैक्सफेड ग्रुप के अंतर्गत उप्र सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड कानपुर की बंद पड़ी कताई मिलों की 451.20 एकड़ भूमि के औद्योगिक प्रयोग के लिए यूपीसीडा को निरूशुल्क हस्तांतरित करने को स्वीकृति प्रदान की गई है। उप्र सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड कानपुर की बंद पड़ी इकाइयों में महमूदाबाद (सीतापुर) में 71.02 एकड़, फतेहपुर में 55.31 एकड़, मऊआइमा (प्रयागराज) में 85.24 एकड़, बहादुरगंज (गाजीपुर) में 78.92 एकड़, कम्पिल (फर्रुखाबाद) में 82.15 एकड़ और बुलंदशहर में 78.56 एकड़ भूमि यूपीसीडा को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है। इन भूमियों पर नई औद्योगिक इकाईयों की स्थापना की जाएगी। मंत्रिपरिषद की बैठक में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड के अंतर्गत डीटीआईएस की स्थापना के लिए एसपीवी को 0.8 हेक्टेयर भूमि निरूशुल्क हस्तांतरित करने को लेकर स्वीकृति प्रदान की गई है। डीटीआईएस फैसिलिटी का विकास एक कॉमन टेस्टिंग फैसिलिटी सेंटर के रूप में किया जाएगा। इसमें लखनऊ नोट के अंतर्गत स्थापित रक्षा इकाईयों द्वारा अपने उत्पादों का परीक्षण एवं सर्टिफिकेशन के लिए किया जाएगा। मंत्रि परिषद की बैठक में स्टांप पेपर को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। अब 10 हजार से लेकर 25 हजार मूल्य तक के हार्ड कॉपी के स्टांप पेपर चलन से बाहर कर दिए जाएंगे। इनकी जगह ई–स्टांप का उपयोग किया जाएगा। इसके लिए 5,630 करोड़ रुपये से अधिक के स्टांप को बीड आउट किया जाएगा। पुराने स्टांप 31 मार्च 2025 तक ही मान्य होंगे। स्टांप प्रणाली में पारदर्शिता और गड़बड़ियों को रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है। आगरा मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम कॉरिडोर के लिए 8684.68 वर्ग मीटर भूमि को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग को निरूशुल्क हस्तांतरित किया गया है। यह जमीन उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की थी। वहीं, द्वितीय कॉरिडोर के लिए गृह विभाग की 20,753 वर्ग मीटर भूमि को भी आवास एवं शहरी नियोजन विभाग को निरूशुल्क हस्तांतरित किया गया है। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग 90 वर्ष की लीज पर और 30–30 वर्ष के नवीनीकरण के प्राविधानों के सहित एक रुपये प्रतीक मूल्य पर उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को भूमि हस्तांतरित करेगा। इसे लेकर मंत्रिपरिषद की स्वीकृति मिल गई है। मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य स्मार्ट सिटी योजना को दो साल के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया गया। यह योजना प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों के लिए लागू होगी। पहले यह योजना पांच साल के लिए थी। अब इसे राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के तहत विस्तार दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने 2019–20 में प्रदेश में 10 स्मार्ट सिटी का चयन किया था। जबकि, प्रदेश सरकार ने सात शहर, गाजियाबाद, मेरठ, फिरोजाबाद, अयोध्या, मथुरा–वृंदावन, शाहजहांपुर और गोरखपुर को भी शामिल किया था। इस विस्तार से शहरी विकास को नई गति मिलेगी।

राम मंदिर के बाद अब सीता माता मंदिर की बारी

बिहार चुनाव से पहले अमित शाह का बड़ा ऐलान

गांधीनगर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने गुजरात के विकास में योगदान देने के लिए मिथिलांचल और बिहार के लोगों की सराहना की और कहा कि इस क्षेत्र में प्राचीन काल से लोकतंत्र और दर्शन को सशक्त बनाने का इतिहास रहा है। 'शाश्वत मिथिला महोत्सव 2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी वादा किया कि सीता माता का एक भव्य मंदिर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान जब मैं बिहार गया था, तो मैंने कहा था कि राम मंदिर तो बन गया, अब सीता माता का भव्य मंदिर बनाने की बारी है। मंदिर पूरी दुनिया को नारी शक्ति का संदेश देगा और यह भी कि जीवन को हर तरह से आदर्श कैसे बनाया जाए। शाह ने कहा कि गुजरात में बसे मिथिलांचल और बिहार के लोगों ने इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया कि राज्य में उनका सम्मान, सुरक्षा और स्वागत है। मिथिला की भूमि रामायण और महाभारत के समय से ही बुद्धिजीवियों की भूमि रही है, जिसमें प्राचीन विदेह राज्य लोकतंत्र की जननी है। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध ने कई बार कहा था कि जब तक विदेह के लोग मिलजुलकर रहेंगे, उन्हें कोई नहीं हरा सकता। मिथिलांचल लोकतंत्र की एक मजबूत ताकत साबित हुआ, जो सालों तक पूरे देश को अपना संदेश देता रहा। मिथिलांचल शास्त्रार्थ की भी भूमि रही है। शाह ने कहा, ''महात्मा बुद्ध ने कई बार कहा था कि जब तक विदेह के लोग मिल–जुलकर रहेंगे, उन्हें कोई नहीं हरा सकता। मिथिलांचल लोकतंत्र की एक मजबूत ताकत साबित हुआ, जो वर्षों तक पूरे देश को अपना संदेश देता रहा। मिथिलांचल शास्त्रार्थ की भी भूमि रही है। शाह के बयान पर भाजपा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि बिहार के लोग इस खबर से उत्साहित हैं।

मतदाता सूची पर उठाये जा रहे सवालों को लेकर सदन में चर्चा करायी जानी चाहिये : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची को लेकर विपक्ष के उठाये जा रहे सवालों को लेकर सोमवार को कहा कि सदन में इस पर चर्चा करायी जानी चाहिये। श्री गांधी ने शून्य काल के दौरान मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर विपक्षी सदस्यों की ओर से उठायी गयी आपत्तियों के बीच

कहा कि पूरे देश में मतदाता सूची को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष मतदाता सूचियों को लेकर सवाल उठा रहा है और आपत्तियां दर्ज करा रहा है। इस मुद्दे पर सदन में चर्चा करायी जानी चाहिये। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने कहा कि मतदाता सूची को लेकर जैसा हरियाणा और असम में किया गया, वैसा ही अन्य राज्यों में करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि व्यापक छानबीन के बाद मतदाता सूचियों को संशोधित किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ठीक ढंग से काम करेंगे, तो सब ठीक रहेगा। तृणमूल कांग्रेस के ही कल्याण बनर्जी ने कहा कि जो खामी वाली मतदाता सूचियां हैं, वे गैरकानूनी हैं और हमारे लिये चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात और हरियाणा से मतदाता बंगाल में आ रहे हैं।

विपक्ष के बहिर्गमन पर बोले नड्डा, संसद की गरिमा को पहुंचायी जा रही है ठेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को विपक्ष पर नियम 267 के माध्यम से गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि इस तरह से संसद की गरिमा को ठेस पहुंचायी जा रही है। श्री नड्डा ने कहा कि सरकार नियम के तहत किसी भी मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए तैयार है। उप सभापति हरिवंश द्वारा विपक्ष के सदस्यों के विभिन्न मुद्दों पर नियम 267 के तहत दिये गये कार्यस्थगन के प्रस्तावों के नोटिसों को नामंजूर किये जाने के विरोध में कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष के सदन से बहिर्गमन पर श्री नड्डा ने यह बात कही। विपक्षी सदस्यों के बहिर्गमन के बाद श्री नड्डा ने कहा कि यह देखा गया है कि सदस्य नियम 267 के तहत नोटिस देते हैं और सदन से बहिर्गमन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रथा विपक्ष द्वारा संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास है। विपक्ष का मकसद चर्चा करना नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार नियमों के तहत किसी भी मुद्दे पर बहस के

लिए तैयार है। इसके अलावा सदन में चर्चा के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक चर्चा के भी नियम हैं। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि ये कानून और प्रक्रिया को पढ़ते ही नहीं । यह विपक्ष का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है और ये संसद को नीचा दिखाना चाहते हैं। उन्होंने कटाक्ष किया कि नेता विपक्ष सहित सभी के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाना चाहिए। इससे पहले श्री हरिवंश ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम् (द्रमुक) के तिरूचि शिवा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार पी ने परिसीमन प्रक्रिया , तृणमूल कांग्रेस के साकेत गोखले और सागरिका घोष, कांग्रेस के प्रमोद तिवारी और अजय माकन ने मतदाताओं के समान ईपीआईसी नम्बर , आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने शेयर बाजार में गिरावट और समाजवादी पार्टी के रामजीलाल सुमन ने मतदान बढ़ाने के संबंध में अमेरीकी फंडिंग के मुद्दे पर नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव के नोटिस दिये हैं । उन्होंने कहा कि नियम 267 के बारे में आठ दिसम्बर 2022 को विस्तार से व्यवस्था दी जा चुकी है। ये नोटिस व्यवस्था के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए इन नोटिसों को स्वीकार नहीं किया गया है।

पलामू जिले में एक पटाखा गोदाम में लगी आग,पांच की मौत

रामानुजगंज/रांची, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से सटे झारखंड के पलामू जिले के गोदरमाना में एक पटाखा गोदाम में आग लग गयी जिसमें तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में तीन बच्चें, एक महिला और एक पुरुष शामिल है। घर को तोड़कर मृतकों के शव को बाहर निकाला गया है। वहीं इस घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना सरहदी क्षेत्र गोदरमना में हुई हैं। यहां एक पटाखा गोदाम में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारण पूरे गोदाम में धुंआ भर गया और इसके कारण दम घुटने से पांच लोगों की मौत हो गई। आग लगने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और आग पर काबू पाया है। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने घर की दीवार तोड़कर अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला और आनन–फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुश कुमार किराने और पटाखे की दुकान चलाते थे। पटाखे की दुकान के पीछे दो गोदाम हैं। अचानक एक पटाखा फूटा और देखते ही देखते पटाखे की दुकान में आग लग गयी।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची को उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर से सोमवार को अधिसूचना जारी कर कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बागची की पदोन्नति संबंधी घोषणा की। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी सोशल मीडिया श्एक्सश उनकी इस पदोन्नति की घोषणा से संबंधित जानकारी साझा की है।

न्यायमूर्ति बागची के शपथ ग्रहण के साथ ही शीर्ष अदालत के लिए स्वीकृत 34 न्यायाधीशों की संख्या के मुकाबले न्यायाधीशों की संख्या 33 हो जाएगी। न्यायमूर्ति बागची दो अक्टूबर 2031 को सेवानिवृत्त होंगे, उससे पहले वह मई (2031) में भारत के मुख्य न्यायाधीश बन सकते हैं। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले न्यायमूर्ति भूषण आर गवई, न्यायमूर्ति, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ के कॉलेजियम ने छह मार्च को न्यायमूर्ति बागची को पदोन्नति कर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशपद पर नियुक्ति की सिफारिश की थी। कॉलेजियम ने नियुक्ति की सिफारिश के लिए मूल्यांकन करते समय न्यायाधीश पद के संभावित उम्मीदवारों की योग्यता, ईमानदारी और न्यायिक क्षमता के अलावा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और वरिष्ठता आदि पहलुओं पर भी विचार किया। न्यायमूर्ति बागची को बतौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, कानून के विविध क्षेत्रों में 13 वर्षों का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

प्रेमाराय की कविता गंभीर एवं परिपक्व है – मारूफ शाइर अनवार अब्बास

प्रेमाराय के काव्य संग्रह 'पत्थर बोलते हैं' का हुआ लोकार्पण एवं काव्यगोष्ठी

प्रयागराज। लोकरंजन प्रकाशन एवं शहर समता विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठ कवयित्री प्रेमा राय के काव्य संग्रह ष्पत्थर बोलते हैं श्श के लोकार्पण का आयोजन आज हिन्दुस्तानी एकेडमी के सभागार में मारूफ शाइर अनवार अब्बास नकवी की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस आयोजन के मुख्य अतिथि रही डॉ ऊषा मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि रहें प्रो. रवि मिश्रा एवं डॉ० प्रदीप चित्रांशी। आयोजन का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ तत्पश्चात रचना सक्सेना एवं सरिता मिश्रा ने वाणी वंदना प्रस्तुत की ।

यह आयोजन दो सत्र में किया गया। पहले सत्र में प्रेमा राय की पुस्तक श्पत्थर बोलते है का विमोचन हुआ जिसका संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डॉ ऊषा मिश्रा ने कहा नेश इनकी कविताओं में एक स्वभाविक प्रवाह है और भारतीय संस्कृति की परम्पराओं का पूर्ण रूप से निर्वहन करते हुए गणेश वंदना से कविताओं का प्रारम्भ किया हैश प्रो. रवि मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुऐ कहा कि श्इतिहास संस्कृति और समय से संवाद करती हुई संवेदनशील स्त्री मन की रचनाएँ अत्यन्त प्रभावित करती हैश डॉ प्रदीप चित्रांशी जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुऐ कहा किश संवेदनाओं की भूमि पर रचनाकार ने पत्थरो से संवाद करते हुए पत्थरो की तन्हाइयों से अपने पाठकों को रुबरू कराने का एक सफल प्रयास कियाश अंत में अध्यक्षता

करते हुए मारुफ शाइर अनवार अब्बास नकवी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि श्प्रेमाराय जी की कविताओं में वह समस्त विशेषाए पाई जाती है जो गंभीर और परिपक्व साहित्य के लिए आवश्यक हैश वक्ता डॉ कल्पना वर्मा ने कहा कि प्रेमा राय की रचनाओं में प्रकृति, प्रेम और भारतीय संस्कृति के संदेश विविध रंगों में हैं जो मन से निकले हैं और मन तक जाते हैं ष डॉ सविता श्रीवास्तव ने कहा प्रेमा राय नेश इस कविता संग्रह में हर विषय को समेटने का प्रयास किया है।

दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी हुई जिसका संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया जिसमें रवि कुमार मिश्रा, प्रदीप कुमार चित्रांशी, संजय सक्सेना, भगवान प्रसाद उपाध्याय, रंजन पाण्डेय, मुरारी मोहन, डॉ वीरेन्द्र कुमार तिवारी, के पी गिरि, पाल प्रयागी, डॉ पूर्णिमा पाण्डेय, रचना सक्सेना, अनीता शर्मा, नीना मोहन श्रीवास्तव, ऊषा मिश्रा कल्पना वर्मा, सरिता मिश्रा, विजयलक्ष्मी विभा, सुनील दनिश, अशोक श्रीवास्तव, पं हीरा लाल पाण्डेय, जय श्री श्रीवास्तव, डॉ पी के सिन्हा, डॉ वी के श्रीवास्तव, लालता यादव, विनिता राय फरमूद इलाहाबादी, सेलाल इलाहाबादी, प्रियंका त्रिपाठी, गीता सिंह, नीलम पाण्डेय,, डॉ इन्दु जग्दमपुरी, गंगा प्रसाद तिवारी, माधुरी श्रीवास्तव, नीलम श्रीवास्तव, दीपा खन्ना, मीरा सिऐ, मधुलिका मालवीय, रश्मि गुप्ता, जया मिश्रा, अर्चना लाल, किरण बाला पाण्डेय, विनीता श्रीवास्तव, आजाद श्रीवास्तव, डॉ सविता कुमारी श्रीवास्तव, मिली संजय श्रीवास्तव प्रेमवदा, रेनू मिश्रा आदि ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर. सौरभ राय ने भी अपनी माँ को हार्दिक बधाईयाँ दी एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

आधी आबादी को न्याय दिलाने के लिए महिला कांग्रेस का संघर्ष नहीं रुकेगा : अलका लांबा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा है कि देश में आधी आबादी के साथ मोदी सरकार न्याय नहीं कर पा रही है और उनकी आवाज दबाकर महिला आरक्षण विधेय को लागू नहीं किया जा रहा है इसलिए महिल कांग्रेस के कार्यकर्ता देश की महिलाओं के हितों की लड़ाई के लिए सड़क पर उतर कर आंदोलन कर रहे हैं। लाम्बा ने सोमवार को यहां जंतर मंतर पर आयोजित संसद का घराव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश में महिलाओं और बेटियों के साथ लगातार अपराध हो रहे हैं। पीड़ित महिलाओं की आवाज नहीं सुनी जा रही है लेकिन कांग्रेस अत्याचार सहने वाली महिलाओं की आवाज बनेगी और केंद्र की तानाशाह सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करेगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को संसद तथा विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए महिला आरक्षण विधेयक संसद में पारित किया गया और कांग्रेस तथा इंडिया समूह ने इस विधेयक को पहले ही पारित करवा दिया लेकिन सरकार इसे क्रियान्वित नहीं कर रही है। विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है और इसके लिए सरकार पर दबाव बनाने के वास्ते महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता आंदोलन चला कर अभियान शुरु कर रहे हैं। महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता देश की आधी आबादी की आवाज बनेगी और देश तथा देश बाहर भी भारत की बेटियों के साथ अन्याय करने वालों के खिलाफ आंदोलन करेगी।

बच्चों के सामने पति और देवर ने महिला को उतारा मौत के घाट, पहले मारी गोली फिर रेंता गला

प्रयागराज। प्रयागराज के धूमनगंज थानाक्षेत्र के नीवां में दिल दहला देनी वाली घटना सामने आई। पति व तीन देवरों ने मिलकर आंगनबाड़ी कार्यकत्री को पहले गोली मारी फिर चाकू से गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया। हत्या को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी फरार हो गए। एयरपोर्ट थानाक्षेत्र के पीपल गांव निवासी नरेश भारतीया की बेटी 36 वर्षीय प्रीति की नीवां निवासी राजेश भारतीया से शादी हुई थी। दंपती की 17 वर्षीय बेटी और 15 वर्षीय बेटा है। प्रीति आंगनबाड़ी कार्यकत्री थी। पुलिस के मुताबिक राजेश पत्नी पर शक करता था और आए दिन दोनों में झगड़ा होता था। शनिवार देर रात लगभग दो बजे एकबार फिर दंपती में कहासुनी हुई। आरोप है कि राजेश ने अपने भाई दीपू, दीपक और राकेश के साथ मिलकर प्रीति के पेट में गोली मार

दी। इसके बाद चाकू से उसका गला रेत दिया। दोनों बच्चों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि मृतका के पिता नरेश भारतीया की तहरीर पर फरार आरोपी राजेश, दीपक, दीपू व राकेश के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिस मां के आंचल की छांव में बच्चे बड़े हुए, उन्हीं बच्चों के आंखों सामने पिता ने उनकी मां की निर्मम हत्या कर दी। बच्चों के गिड़गिड़ाने के बावजूद पिता और तीनों चाचा को रहम नहीं आया। आरोपियों ने बच्चों के सामने ही आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रीति को गोली मारी, इसके बाद चाकू से बेरहमी गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया। दोनों बच्चों ने रोते हुए पुलिस को आंखों देखी घटना बयान की, तो सबके होश उड़ गए। बच्चों ने बताया कि उसके पिता राजेश अक्सर मां प्रीति भारतीया से मारपीट करते थे। कई बार बीचबचाव किया गया, लेकिन पिता बेवजह शक के आधार पर अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे थे। पुलिस के मुताबिक शनिवार रात प्रीति की बेटी और बेटा सो रहे थे। इसी बीच प्रीति के चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर बच्चों की नींद खुल गई। भागकर देखा, तो पिता राजेश के साथ चाचा राकेश, दीपक व दीपू उनकी मां प्रीति की बेरहमी से पिटाई कर रहे थे।

आईआईए द्वारा भव्य होली कार्निवल का आयोजन सम्पन्न

मुख्य अतिथि रहे राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल

मुजफ्फरनगर। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) द्वारा होली के शुभ अवसर पर एक भव्य होली कार्निवल का आयोजन होटल द मेडेलिन, मेरठ रोड पर किया गया। इस आयोजन में आईआईए परिवार के सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। होली कार्यक्रम का शुभारंभ आईआईए चौप्टर चेयरमैन पवन कुमार गोयल ने किया और सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आईआईए न केवल व्यापारिक उन्नति के लिए बल्कि सामाजिक और पारिवारिक एकता के लिए भी निरंतर कार्य करता रहता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल ने उपस्थित आईआईए परिवार के विशाल जनसमूह को बधाई देते हुए कहा कि आईआईए न केवल उद्योग जगत की प्रगति में अग्रसर है, बल्कि अपने सदस्य परिवारों के लिए भी हर वर्ष भव्य और मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है। इस अवसर पर आकाश बंसल को बिजनेस अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कु. राजवी जैन ने अपनी शानदार नृत्य प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। आईआईए के पूर्व चेयरमैन श्री विपुल भटनागर द्वारा गाए गए होली गीत ने समां बांध दिया और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आईआईए के युवा उद्यमियों ने फिल्म "शोले" की कॉमेडी और डांस प्रस्तुती देकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। यह प्रस्तुति कार्निवल का मुख्य आकर्षण बनी और सभी ने खूब प्रशंसा की। बड़ी स्क्रीन लगाकर क्रिकेट मैच का लाइव प्रसारण दिखाया गया और सभी ने जीत का उत्सव मनाया। कार्यक्रम का सफल संचालन आईआईए युवा विंग के कोऑर्डिनेटर अमन गुप्ता ने किया और आईआईए सचिव अमित जैन ने सभी अतिथियों और सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जीतने वाले सभी प्रतिभागियों को गोल्ड, सिल्वर और कांस्य मेडल देकर सम्मानित किया गया। बंपर लकी ड्रॉ में तीन स्मार्ट वॉच सीए मुकेश सिंघल वुड़ लाइफस्टाइल नोएडा द्वारा भेंट की गईं। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रीय महासचिव अश्वनी खंडेलवाल, पूर्व चेयरमैन श्री कुश पुरी, नवीन जैन, नवीन अग्रवाल, मनोज अरोरा, सुधीर चंद्र गोयल, शरद जैन, वाइस चेयरमैन मनीष भाटिया, अमित गर्ग, कोषाध्यक्ष अनुज स्वरूप बंसल, जॉइंट सेक्रेटरी संदीप जैन, उमेश गोयल, दीपक सिंगल, आकाश बंसल, अमन गुप्ता, राहुल मित्तल, पीआरओ समर्थ जैन,राज शाह, नरदेव वर्मा, स्पर्श वर्मा, रजत जैन, प्रवीण गोयल, कनव अग्रवाल, राजेश गोयल, संजीव मित्तल, शमित अग्रवाल, अरविंद मित्तल, अंकुर गर्ग, फेडरेशन अध्यक्ष अंकित संगल, मनीष जैन, कपिल मित्तल, राजेश मित्तल, अनुज कुच्छल, नईम चांद, डॉ. यशपाल सिंह, सुरेंद्र अग्रवाल, मुकुल गोयल, प्रमोद अरोरा, अजय अरोरा, सीए राजीव सिंघल, तरुण गुप्ता, प्रसून अग्रवाल, राकेश ढींगरा, राकेश जैन, अरविंद गुप्ता, सीए अंकित मित्तल, नवनीत गोयल एडवोकेट, तुषार गुप्ता एडवोकेट, सीए राधेश्याम गर्ग, सीए संजय बंसल, सीए पवन गोयल, मुकुल गोयल, गिरीश अरोरा, राहुल अग्रवाल, सीए संजय संगल, राहुल सिंगल, एफ.सी. मोगा, अनिल त्यागी, धनंजय त्यागी, संजय जैन, तुषार जैन, आर.के. सैनी, विवेक मित्तल, विवेक गोयल, शोभित जैन, राजकुमार कपूर, राजू अग्रवाल, अमरीश सिंघल, प्रमोद शर्मा, सचिन शर्मा, डॉ. प्रवेश कुमार, साइबर क्राइम ब्रांच के एसएचओ सुल्तान सिंह, इंस्पेक्टर गौरव चौहान, दीपक कुमार सहित भारी संख्या में सदस्य परिवार सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आईआईए चौप्टर चेयरमैन पवन गोयल ने धन्यवाद देते हुए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया।

होली बाद भाजपा को महानगर, यमुनापार एवं गंगापार का अध्यक्ष मिलना तय, नए चेहरों को मिल सकती है जगह

प्रयागराज। भाजपा के नए जिलाध्यक्षों के नाम पर मंथन शुरू हो गया है। संगठन की दृष्टि से प्रयागराज में तीन अध्यक्ष बनाए जाते हैं। इसमें महानगर, गंगापार और यमुनापार शामिल है। लोकसभा चुनाव में एक सीट पर भाजपा की हार के बाद माना जा रहा है कि पार्टी तीनों जगहों पर नए चेहरों को जगह दे सकती है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव और महाकुंभ संपन्न होने के बाद सभी की निगाहें भाजपा प्रदेश संगठन पर टिकी हैं।बताया जा रहा है कि होली बाद प्रयागराज महानगर, यमुनापार एवं गंगापार के जिलाध्यक्षों के नामों का एलान किया जा सकता है।

पार्टी नेताओं ने इस बात के भी संकेत दिए हैं जिलाध्यक्षों

के चयन के जरिये पार्टी सभी सियासी और जातीय समीकरण को भी साधेगी। 2027 की शुरुआत में ही यूपी विधानसभा का चुनाव है। पिछले वर्ष विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने भले ही बेहतर प्रदर्शन किया हो। लेकिन, लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक परिणाम नहीं आया। इसे लेकर तमाम समीक्षाएं भी हुईं।

प्रयागराज की ही बात करें तो फूलपुर लोकसभा सीट भाजपा किसी तरह से बचाने में कामयाब हो सकी। जबकि, इलाहाबाद संसदीय सीट पार्टी से फिसल गई। समीक्षा में महानगर, यमुनापार एवं गंगापार संगठन की भूमिका पर तमाम सवाल भी खड़े किए गए थे। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी महानगर, यमुनापार एवं गंगापार में अध्यक्ष बदल सकती है।

जनप्रतिनिधियों ने भी दी है चेहरा बदलने की रिपोर्ट

यहां के अधिकांश जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी रिपोर्ट में अध्यक्ष बदले जाने की सहमति दी है। प्रयागराज महानगर की बात करें तो यहां अगड़ी जाति का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। महानगर अध्यक्ष के लिए यहां से कुल 96 आवेदन आए हैं। यहां आवेदन करने वालों में वैश्य एवं ब्राह्मण बिरादरी के नेता ज्यादा हैं। बीते कुछ वर्ष से यहां वैश्य या ब्राह्मण बिरादरी के नेता ही अध्यक्ष बन रहे हैं।

इस बार कायस्थ एवं क्षत्रिय नेताओं ने भी अध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी की है। इसी तरह गंगापार से भी 50 आवेदन अध्यक्ष पद के लिए हुए हैं। जातिगत समीकरण को देखते हुए पार्टी गंगापार से पिछड़ी जाति और यमुनापार से अनुसूचित जाति के नेता को अध्यक्ष बनाने का दांव खेल सकती है।

उधर, गंगापार में अध्यक्ष पद के लिए कुर्मी, ब्राह्मण, मौर्य बिरादरी के नेताओं के आवेदन ज्यादा आए हैं। इसी तरह यमुनापार में भी कुर्मी, निषाद, अनुसूचित जाति, कोल, ब्राह्मण आदि बिरादरी के आवेदन अधिक हैं। शहर उत्तरी विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी का कहना है कि पार्टी अपने निष्ठावान एवं भरोसेमंद कार्यकर्ता को ही अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपेगी। उम्मीद है होली बाद प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों के नाम का एलान हो सकता है।

गंगा की रेती पर दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर के वेलकम की तैयारी, वाइल्डलाइफ की टीम अलर्ट

प्रयागराज। संगम तट पर विदेशी और दुर्लभ स्कीमर पक्षियों का आगमन शुरू हो गया है। इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। इसको लेकर वन विभाग की टीम भी अलर्ट हो गई है। पक्षियों का कोई शिकार न कर सके इसको लेकर लगातार निगरानी की जा रही है।

महाकुंभ मेले में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के बाद अब गंगा की रेती पर दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर के वेलकम की तैयारी शुरू हो गई है। महाकुंभ की शुरुआत में 150 जोड़े इंडियन स्कीमर यहां पहुंचे हैं, जो दिसंबर से लेकर फरवरी अंत या मार्च की शुरुआत तक अंडे देते हैं।

अब 150 जोड़ों के साथ ही इन दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर को जंगली जानवरों से बचाने के लिए बड़े पैमाने पर वाचर तैनात कर दिए गए हैं। इसी के साथ वाइल्डलाइफ की टीम भी अलर्ट कर दी गई है। विदित हो कि दुनिया के इस सबसे बड़े मेले

में 90 से अधिक प्रजातियों के देशी और विदेशी पक्षी पहुंचे हैं, जो कि प्रदूषण को रोकने में भी काफी कारगर साबित होते हैं।

महाकुंभ में गंगा की रेती पर पक्षियों को देखने के लिए देश विदेश से लोग जुटते हैं। इसी के मद्देनजर यहां बर्ड फेस्टिवल का भी आयोजन किया गया है। साथ ही सरकार की ओर से इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। डीएफओ प्रयागराज अरविंद कुमार यादव ने बताया कि महाकुंभ के दौरान इंडियन स्कीमर के 150 से अधिक जोड़े संगम क्षेत्र में पहुंचे हैं।

यहां वे प्राकृतिक वातावरण में अब घुल–मिल गए हैं। ये पक्षी जंगली जानवरों से अपने अंडे को बचाने के लिए संगम की रेती में छुपा देते हैं, जिन्हें बचाने और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार की तरफ से भी कई तरह के इंतजाम किए गए हैं। दुर्लभ प्रजाति के अंडों और नन्हे पक्षियों को जंगली जानवरों और अन्य खतरों से बचाने के लिए बड़ी संख्या में वाचर तैनात किए गए हैं। इसके अलावा वाइल्डलाइफ की टीम को भी लगाया गया है, जो पक्षियों की सुरक्षा के साथ–साथ उनकी गणना का भी काम कर रहे हैं। वन्यजीव सुरक्षा को लेकर वाइल्डलाइफ की टीम लगातार गश्त कर रही है।

होली से पहले कच्ची शराब माफियाओं के खिलाफ अभियान तेज

प्रयागराज। रंगों के त्योहार होली आने से पहले ही कच्ची शराब बनाने वाले गिरोह सक्रिय हो गए हैं। अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ पुलिस ने भी अभियान तेज कर दिया है। पुलिस ने व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर ईंट भट्ठों व कछार इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। अब तक आधा दर्जन से अधिक ईंट भट्ठों व अन्य ठिकानों पर दबिश देकर डेढ़ सौ कुंतल लहन नष्ट किया गया है। वहीं 50 लीटर से अधिक कच्ची शराब भी जब्त की गई है। पुलिस ने कच्ची शराब की तस्करी के आरोप में चार आरोपियों को भी पकड़कर जेल भेजा। पुलिस टीम ने बसवार,

बीकर, दवेरिया, कंजासा, घूरपुर, लवायनकलां आदि जगहों पर अभियान चलाया। एडीसीपी एन कोलांची का कहना है कि होली तक लगातार अभियान जारी रहेगा। अवैध शराब बनाने व बिक्री करने वालों को गिरफ्तार कर जेल भेजने का आदेश दिया गया है।

तेलंगाना–मुंबई के लिए प्रयागराज होकर चलेंगी होली स्पेशल ट्रेन

प्रयागराज। होली पर दानापुर से अहमदाबाद के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन प्रयागराज जंक्शन होकर जाएगी। वहीं, छिवकी के रास्ते

गोंदिया–छपरा स्पेशल संचालित होगी। ट्रेन नंबर 09417 अहमदाबाद से 10, 17, 24 एवं 31 मार्च को चलेगी, जबकि वापसी में 11, 18, 25 मार्च एवं एक अप्रैल को संचालित होगी। अहमदाबाद से सुबह 9रू10 बजे चलकर अगले दिन दोपहर 12रू20 बजे प्रयागराज जंक्शन पर आएगी।

वापसी में दानापुर से रात 11रू50 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 8रू20 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। इसके अलावा प्रयागराज छिवकी के रास्ते गोंदिया–छपरा होली स्पेशल ट्रेन 12 मार्च को गोंदिया से एवं 13 मार्च को छपरा से चलेगी। 08863 गोंदिया से सुबह पांच बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 10रू20 बजे प्रयागराज जंक्शन आएगी।

चर्लपल्ली तक ही जाएगी होली स्पेशल

सूबेदारगंज से सिकंदराबाद के लिए चल रही होली स्पेशल ट्रेन का संचालन चर्लपल्ली तक होगा। सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से ट्रेन नंबर 04121 का संचालन प्रत्येक शुक्रवार की रात आठ बजे होगा, जबकि चर्लपल्ली से ट्रेन नंबर 04122 प्रत्येक शनिवार शाम साढ़े चार बजे चलेगी। 22 कोच की इस ट्रेन में स्लीपर के 11, एसी श्री के दो, सामान्य श्रेणी के सात एवं एसएलआर श्रेणी के दो कोच रहेंगे।

तेलंगाना और मुंबई के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

रेलवे होली पर लम्बी दूरी की विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा। मुंबई और तेलंगाना के लिए प्रयागराज होकर ट्रेनें चलेंगी। गोरखपुर–महबूबनगर (तेलंगाना) 30 मार्च तक प्रत्येक रविवार को प्रयागराज होकर चलेगी। ट्रेन नंबर 05303 सुबह साढ़े चार बजे गोरखपुर से चलकर सुबह 11रू10 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। कानपुर के गोविंदपुरी, झांसी, रानी कमलापति, इटारसी, नागपुर होते हुए महबूबनगर पहुंचेगी।

वापसी में महबूबनगर से ट्रेन नंबर 05304 प्रत्येक सोमवार 10 मार्च से 31 मार्च तक चलेगी। ये प्रयागराज में सुबह 10रू20 बजे आएगी। गोरखपुर से लोकमान्य तिलक के लिए ट्रेन नंबर 05325 प्रत्येक मंगलवार व शनिवार 11 मार्च से 22 मार्च तक शाम सात बजे चलेगी। रात 1रू40 बजे प्रयागराज जंक्शन पर आएगी। वापसी में लोकमान्य तिलक से ट्रेन नंबर 05326 प्रत्येक गुरुवार एवं सोमवार 13 मार्च से 24 मार्च तक चलेगी। लोकमान्य तिलक से सुबह 10रू20 बजे चलकर दोपहर 1रू40 बजे प्रयागराज जंक्शन आएगी।

सियासत में दलितों की भागीदारी की टटोल रहे नब्ज

प्रयागराज। भारत की राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक हालात को जानने के लिए यहां की जातिगत संरचना को समझना जरूरी है। उत्तर प्रदेश की बात करें तो जातियों की जटिलता में सबसे निचले पायदान पर अनुसूचित जातियां आती हैं। राजनीति, सरकारी योजनाओं और सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति में शामिल जातियों के प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल उठते रहे हैं। सियासत में दलितों की भागीदारी को समझने के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के विशेषज्ञ एक अहम अध्ययन कर रहे हैं। इसके लिए भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली (आईसीएसएसआर) ने राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. पंकज कुमार को अहम जिम्मेदारी सौंपी है। प्रो. कुमार ने बताया कि विकसित भारत 2047 के तहत प्रयागराज और वाराणसी के दो–दो ब्लॉकों का अध्ययन के लिए चयन किया गया है। प्रयागराज के कोरांव, शंकरगढ़ और वाराणसी के पिंडरा, बड़गांव ब्लॉक के नौ गांवों में एससी वर्ग के किन जातियों का पंचायती चुनाव में प्रतिनिधित्व कितना है। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार से मिलने वाले योजनाओं का लाभ एससी वर्ग के किस जाति को ज्यादा मिल रहा है। अध्ययन पर रिपोर्ट तैयार किया जाएगा। ताकि एससी वर्ग की जो जातियां पंचायती चुनाव और योजनाओं से दूर हैं। उन्हें लाभ दिए जाने में सहायता मिल सके। विशेषज्ञों का मानना है कि एससी में कुछ ही जातियों का सरकारी योजना और सियासत में वर्चस्व है। प्रो. कुमार ने बताया कि माइक्रो लेवल पर अनुसूचित जाति में किन–किन वर्गों को पंचायतीराज संस्थाओं के प्रति जागरूकता बढ़ी है और इन संस्थाओं से कितना लाभ प्राप्त हुआ। सभी लाभार्थियों की एक सही सूची तैयार की जाएगी। स्थलीय निरीक्षण एवं डेटा संकलन पर आधारित रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

लोकनाथ पर उड़ेगा हाथरस की फैक्टरी का गुलाल

प्रयागराज। प्रयागराज की होली की बात हो और लोकनाथ का जिक्र ना हो, ऐसा हो ही नहीं सकता है। आयोजकों की ओर से इस बार लोकनाथ की कपड़ा फाड़ होली और डीजे की धुन पर होलियारों की मस्ती में चार चांद लगाने के इंतजाम पहले से ज्यादा किए जा रहे हैं।

इसके लिए हाथरस की फैक्टरी से 30 क्विंटल गुलाल का ऑर्डर किया जा चुका है जोकि पिछले वर्ष की तुलना में दस क्विंटल ज्यादा है। इतना ही नहीं चौराहे पर होली खेलने के लिए ज्यादा दूर तक उसका दायरा भी बढ़ाया गया है। शहर में होली का त्योहार 14 व 15 मार्च को मनाया जाएगा।

महादेवी के आवास पर पुस्तक का होगा विमोचन

प्रयागराज। होलिका दहन के दिन 13 मार्च को इस बार अशोक नगर स्थित आवास पर होली उत्सव के साथ पुस्तक विमोचन समारोह भी आयोजित किया गया जाएगा। नवगीतकार यश मालवीय ने बताया कि इस मौके पर रामजी पांडेय की ओर से महादेवी वर्मा पर संपादित व रुद्रादित्य प्रकाशन से प्रकाशित

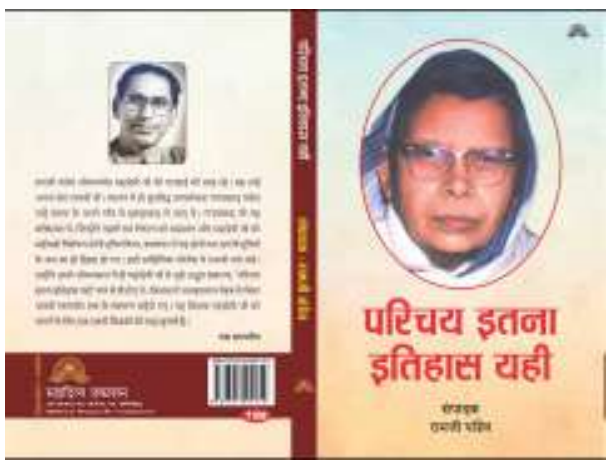

संस्मरणात्मक पुस्तक 'परिचय इतना इतिहास यही का विमोचन किया जाएगा। पुस्तक में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नहेरू, रामस्वरूप चतुर्वेदी, रघुवंश, उमाकांत मालवीय, लक्ष्मीकांत वर्मा, केशवचन्द्र वर्मा, जगदीश गुप्त, अमृतलाल नागर और आरती मालवीय तक के संस्मरण शामिल हैं। समारोह में महादेवी की पुत्रवधू व रामजी पाण्डेय की पत्नी रानी पांडेय अतिथियों की राई नमक से नजर उतारकर गुलाल का टीका लगाएंगी।

महिला कैदियों को वितिरत की सामग्री

प्रयागराज। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के तहत सर्वेश्वरी समूह की प्रयागराज इकाई की ओर से सेंट्रल जेल नैनी में 96 महिला कैदियों को वस्त्र, फल आदि वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीआईजी

राजेश कुमार श्रीवास्तव और अंजू श्रीवास्तव ने किया। डॉ. वीना सिंह ने अघोरेश्वर महाप्रभु व गुरुपद संभव राम के विचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सर्वेश्वरी समूह जरूरतमंदों के हर संभव मदद के लिए समर्पित है। जेल अधीक्षक अमिता दुबे,शैलेंद्र प्रताप सिंह दुर्गावती, चंद्रावती, संगीता सिंह, अलका, साक्षी, वंदना, मौजूद रहीं।

अवैध शराब पकड़ने के लिये 11 टीमें गठित

प्रयागराज। होली के अवसर पर अवैध शराब पकड़ने के लिए आबकारी विभाग ने 11 टीमों का गठन किया है। सभी इंस्पेक्टर अपने क्षेत्रों में एसडीएम व एसीपी के साथ लगातार निरीक्षण करेंगे। जबकि एक टीम स्थाई तौर पर सीमावर्ती इलाकों में रहेगी।

क्रिस्प के द्वारा नैक एवं एन आई आर एफ रैंकिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन

मेरठ,स शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मेरठ में क्रिस्प, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 10 मार्च 2025 को एन आई आर एफ, ए ई डी पी एवं नैक बाइनरी सिस्टम विषय पर एक कार्यशाला का भव्य आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में आर जी डिग्री कॉलेज, एन ए एस कॉलेज, इस्माइल कॉलेज, दीवान कॉले, विद्या यूनिवर्सिटी एवं गवर्नमेंट कॉलेज बीबी नगर, गंगोह सहारनपुर, बुलंदशहर आदि सहित 20 से अधिक महाविद्यालयों के नैक एवं एन आई आर एफ

कोऑर्डिनेटर ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के आरंभ में प्राचार्य प्रोफेसर अंजू सिंह ने सभी का औपचारिक स्वागत करते हुए कार्यशाला के प्रयोजन पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के संयोजक डॉ सत्यपाल सिंह राणा ने प्रतिभागियों को कार्यशाला की रूपरेखा एवं उद्देश्यों से अवगत कराया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता मिस दिव्या मालाकार, क्रिस्प, लखनऊ, ने नवीन नैक प्रणाली एवं एन आई आर एफ रैंकिंग को बेहतर करने हेतु सुझावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने नैक रैंकिंग के प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से चर्चा करते हुए गुणवत्ता उन्नयन के सभी मानकों को पूरा करने के गुर सिखाए। कार्यशाला के द्वितीय वक्ता मिस्टर चंद्रमणि, क्रिस्प, लखनऊ ने ए ई डी पी के अंतर्गत एप्रेंटिसशिप इनेबल्ड डिग्री प्रोग्राम के बारे में बताया। अंत में प्रतिभागियों ने वक्ताओं से अपने प्रश्न पूछे। आयोजन समिति के सदस्य प्रोफेसर लता कुमार, डॉ उषा साहनी, डॉ भारती शर्मा, डॉ गौरी, डॉ रिचा राणा, डॉ आशीष पाठक का विशेष सहयोग रहा। डॉ गीता चौधरी एवं डॉ कुमकुम, डॉ राजीव की उपस्थिति सराहनीय रही।

मुजफ्फरनगर में एक श्रेत्र ऐसा भी है जहां कई महा से लोग जिंदगी खतरे में डाल कर कीड़ों का पानी पीने को विवश हैं

मुजफ्फरनगर। फिरदोसिया मस्जिद के पास अन्नू मेंबर वाली गली में कई महा से लोग कीड़ों का पानी पीने को विवश हैं ससरकारी लाइन की टंकियों में पानी की साथ असंख्य कीड़े भी निकल रहे हैं सआसपास कोई सरकारी हैंडपंप न होने के कारण क्षेत्रवासी इसी कीड़ों के पानी को पीने को विवश हैंस इतना ही नहीं कई घरों में ये कीड़ों का पानी पीने से बच्चे उल्टी लूज मोशन का शिकार हो चले हैं। 'संबंधित विभाग को तुरंत इस ओर ध्यान देना चाहिए इससे पूर्व की क्षेत्र में लोग कीड़ों के इस पानी को पी पी कर बड़ी मुसीबत में फंस जाए।

तेंदुए की आमद ने ग्रामीणों में फैलाई दहशत

भोपा। क्षेत्र के गांव तिस्सादृअलीपुरा के जंगल मे पेड़ पर चढ़े तेंदुए के दिखाई देने के बाद किसानो मे दहशत फैल गयी। पेड़ पर चढ़े बैठे तेन्दुए की वीडियो वायरल होने के बाद ग्रामीणों ने

वन विभाग से तेन्दुए को पकड़ने की गुहार लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव अलीपुरा निवासी राकेश सैनी ने बताया की शनिवार की शाम वह अपने पुत्र पीयूष के साथ अपने खेत मे गन्ने की छिलाई का कार्य करने गया था। जब दोनों पिता पुत्र गन्ना छिलाई कर रहे थे तभी खेत की चकरोड के पास एक तेंदुए का शावक बैठा दिखाई दिया। जिसके बाद मादा तेंदुए की उपस्थिति का अंदाजा लगाते हुए दोनों में दहशत पसर गई। पिता पुत्र कटे हुए गन्ने छोड़ घर जाने की सोच ही रहे थे कि छोटा तेंदुआ पास के ही एक पेड़ पर चढ़ गया। जिसके बाद पिता के कहने पर पीयूष ने उसकी वीडियो बना ली और खेत से वापिस लौट कर ग्रामीणों को मामले की सूचना दी। कुछ समय पहले मोरना के जंगल में तेंदुए की उपस्थिति के बाद अलीपुरा के जंगल में तेन्दुए की उपस्थिति को लेकर किसानो मे भय व्याप्त है। किसानो ने तेन्दुए को पकड़वाने की गुहार लगाई है।

तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की मार्च माह की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की मार्च महीने की महिला काव्य गोष्ठी शाखा अध्यक् रंजना बिनानी की अध्यक्षता में ऑफलाइन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि उषा बिनानी एवं विशिष्ट अतिथि कुसुम बजाज रही। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में आयोजित इस काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा

लिया एवं ष्महिला सशक्तिकरण ष्पर अपनी अपनी भावनात्मक अभिव्यक्तियां काव्यात्मक रूप में प्रस्तुत की..... साथ ही ष्नारी तेरे रूप अनेकष् विषय पर काव्यात्मक अंताक्षरी खेली गई जो कि अपने आप में बहुत ही अभूतपूर्व रही। इस काव्य गोष्ठी में भाग लेने वाली बहनें. ....उषा बिनानी, रंजना बिनानी, राधा बिनानी, सरला बजाज, कुसुम बजाज, मीतू चांडक, सीमा सिंघी, एवं पूनम अग्रवाल एवं सीता काबरा थी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सरला बाजाज जी द्वारा किया गया,धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

डुंडी घाट पर पुल बनवाने के प्रयासों में जुटा शासन प्रशासन

स्थाई पुल के निर्माण होने तक अस्थाई व्यवस्था का होगा प्रबंध

मोरना। सयोगेन्द्र नगर गांव के डुंडी घाट स्थित सोलानी नदी पर पुल बनवाने की मांग ग्रामीण वर्षो से करते आ रहे हैं।कांवड यात्रा के दौरान ग्रामीणों द्वारा पुल बनवाने की मांग पुनरूकी गयी।जिसपर संज्ञान लेकर सोमवार को जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने विभिन्न विभागों के अधिकारियो को मौके पर बुलाकर ग्रामीणों की समस्या से अवगत कराते हुए पुल निर्माण के संबंध मे बात की व स्थाई पुल के निर्माण होने तक अस्थाई पुल की व्यवस्था कराने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये।

मोरना ब्लॉक् क्षेत्र के गांव योगेन्द्र नगर के पास डुंडी घाट नामक स्थान पर पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने योगेन्द्र नगर व खुशीपुरा तथा डुंडी घाट डेरे के ग्रामीणों से बात की। सेंकड़ो की संख्या मे इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने बताया की उनके खेत कान्हा वाली बख्शीराम के जंगल मे है।खेती करने के लिए प्रतिदिन उन्हें सोलानी नदी को पार कर जाना होता है। पुल न होने से पुरुष के साथ साथ महिलाएं भी नदी से होकर गुजरने को मजबूर हैं। बरसात के मौसम मे जब सोलानी नदी उफान पर होती है अक्सर ग्रामीण नदी की धार मे बह जाते हैं।पचास के लगभग ग्रामीणों की मौत नदी मे डूबकर हो चुकी है। इसके अलावा महाशिवरात्रि के अवसर बड़ी संख्या मे कांवडिये इस मार्ग से गुजरते हैं।कांवड यात्रा के दौरान शिव भक्तों के लिए जन सहयोग के द्वारा अस्थाई पुल बनाया जाता है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने वहां मौजूद तहसीलदार जानसठ सतीशचंद बघेल, बी डी ओ अक्सीर खान, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अनिल राणा, सिंचाई विभाग मेरठ खण्ड के ड्रेनेज अवर अभियंता श्रवण कुमार, जिला पंचायत के पवन कुमार,अवर अभियंता, कौशलवीर, राशिद अली,ग्राम सचिव प्रांजल आदि से समस्या के समाधान को लेकर बात की लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने आश्वास्त किया की फिलहाल विभाग द्वारा रपटे के पुल को बना दिया जायेगा।

डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कहा की ग्रामीणों की समस्या को देख्ते हुए डुंडी घाट पर पुल का निर्माण अतिआवश्यक है। स्थाई पुल के निर्माण के लिए प्रयास जारी हैं। वर्तमान मे पी डब्लू डी द्वारा रपटे के पुल की व्यवस्था की जायेगी जिससे ग्रामीण बिना जोखिम उठाये नदी के दूसरी ओर जा सकेगे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष अरुणपाल, जिला संयोजक रामकुमार शर्मा, विपुल सहरावत, प्रताप, लोकपाल, धीर सिंह, धनीराम, सुम्मारा,मेन पाल,दीप चंद, संजीव, मुकेश, गुलाब सिंह, ऋषिपाल, अंकित, भूपेंद्र, कबूल, महिपाल, प्रमिला, रविता, अफसर अली, शेवन आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रणेता साहित्य न्यास का भव्य आयोजन

दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हंसराज महाविद्यालय में प्रो. राजेश शर्मा और प्रणेता साहित्य न्यास की महासचिव शकुंतला मित्तल के संयोजन में समान अवसर प्रकोष्ठ और प्रणेता साहित्य न्यास के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज सभागार में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रपति से सम्मानित प्रणेता साहित्य न्यास के संस्थापक अध्यक्ष के विशेष सान्निध्य और मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ रमा, हंसराज कालेज प्राचार्य ने शोभा बढ़ाई। इस भव्य आयोजन की अध्यक्षता डॉ सविता चड्ढा ने की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। सुमधुर कोकिल कंठी प्रतिष्ठित वरिष्ठ गीतकार उमंग सरीन ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का आगाज किया। इस अवसर पर, सभी अतिथियों, कवियों को सम्मान प्रतीक भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ सविता चड्ढा, डॉ नीरज त्यागी , वीणा अग्रवाल ,शारदा मित्तल दीपशिखा श्रीवास्तव दीप, तरुणा पुंडीर तरुनिल ,रंजना मजूमदार, उमंग सरीन, अंजू क्वात्रा ,सुनीता सिंह, नीतिका सिसोदिया, डॉ अंजू अग्रवाल उत्साही, डॉ भावना शुक्ल, सरिता गुप्ता, डॉ कविता सिंह प्रभा, आशमा काल, डॉ राजेश शर्मा, श्री अशोक पाहुजा , वरिष्ठ साहित्यकार, अनिल वर्मा श मीत श,ताराचंद नादान जी तथा अन्य अनेक प्रतिष्ठित कवि–कवयित्रियों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से आयोजन को भव्यता प्रदान की।

समारोह का सफल, खूबसूरत एवं बेहतरीन संचालन प्रतिष्ठित कवयित्री डॉ भावना शुक्ल ने किया। अन्त में, प्रणेता साहित्य न्यास, संरक्षक श्रीमती सुषमा भंडारी ने सभी अतिथियों, कवियों, समाजसेवियों एवं सम्भ्रान्त श्रोताओं के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके उपरान्त सभी ने स्वादिष्ट एवं लजीज स्नेहभोज का लुत्फ उठाया।

सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के मध्यकालीन इतिहास विभाग के द्वारा 'इलाहाबाद स्कूल ऑफ हिस्ट्री' पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के मध्यकालीन इतिहास विभाग के द्वारा ष्इलाहाबाद स्कूल ऑफ हिस्ट्रीष् पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया । प्रख्यात इतिहासकार एवं रिटायर्ड प्रोफेसर हेरम्ब चतुर्वेदी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।प्रो. हेरंब चतुर्वेदी ने अपने व्याख्यान में इलाहाबाद स्कूल के प्रारंभिक इतिहासकार प्रोफेसर रशब्रूक विलियम्स, सर शफात अहमद खान, प्रो. आर. पी. त्रिपाठी, प्रो .बेनी प्रसाद, प्रो.ताराचंद, प्रो . बी.पी. सक्सेना जैसे प्रमुख इतिहासकारों के योगदान पर प्रकाश डाला।

उन्होंने विशेष रूप से इतिहास लेखन में साक्ष्य के महत्व, बाहरी और आंतरिक आलोचना पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे इलाहाबाद स्कूल ऑफ हिस्ट्री ने इतिहास लेखन में एक नए दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया और इतिहासकारों को अपने कार्यों में साक्ष्य–आधारित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने भी इलाहाबाद विश्वविद्यालय की अपनी यादों को साझा किया, उन्होंने प्राचीन इतिहास लेखन तकनीकों और इतिहास लेखन में सावधानियों पर प्रकाश डाला। व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया, छात्रों और शिक्षकों ने इतिहास से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत डॉ. शशिबाला, कार्यक्रम के संयोजक डॉ.नीरज कुमार सिंह ने मुख्य वक्ता का परिचय,

कार्यक्रम का संचालन विनय हिंद एवं मिनाक्षी ने धन्यवाद ज्ञापन किया । कार्यक्रम में उप प्राचार्य प्रो.नीता सिन्हा, प्रो.अर्चना खरे, प्रो.भावना चौहान, प्रो.आभा त्रिपाठी, प्रो रजत श्रीवास्तव, प्रो.दीनानाथ के अतिरिक्त काफी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वावलंबन की राह पर – 'सखा एजुकेशन सोसायटी'

वाकिफ कहाँ जमाना हमारी उड़ान से वो और थे जो हार गए आसमान से

–फहीम जोगापुरी

प्रयागराज। केवल धरती ही नहीं पूरा आसमान है हम के हम तर्ज पर सखा एजुकेशन सोसाइटी द्वारा 8 मार्च 2025 को महेंद्र नगर, में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें हर वर्ग की महिलाओं ने भाग लिया। कुसुम श्रीवास्तव, सचिव द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कोषाध्यक्ष, संगीता श्रीवास्तव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को और सशक्त बनाने के उपायों पर विचार विमर्श किया गया । साथ ही उन्हें स्वावलंबी बनाने के प्रयासों और भावी संभावनाओं पर भी सोसायटी के पदाधिकारियों ने प्रकाश डाला। इस अवसर पर आसपास की साधारण महिलाओं द्वारा किए गया असाधारण कार्यों की सराहना कर उन्हें सम्मानित भी किया गया गया। इससे पहले मां सरस्वती की स्वरचित वन्दना कवियित्री संगीता श्सुमनश ने प्रस्तुत की । इस मौकेष् पर सखा एजुकेशन सोसाइटी की सचिव सुश्री कुसुम श्रीवास्तव ने एक नए ट्रस्ट ष्याधिका फाउंडेशनष् का भी उदघाटन किया । फाउंडेशन का उद्देश्य बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके जरिए हम महिलाओं और समाज कल्याण से जुड़े मुद्दों पर काम करेंगे, ताकि नारी शक्ति को और मजबूती से पेश किया जा सके । इस दौरान ष्याधिका फाउंडेशनष् की संचालिका सुश्री रीना श्रीवास्तव तथा अध्यक्षा सुश्री संगीता श्रीवास्तव के नामों की घोषणा की गई। इसके साथ ही महिलाओं ने मनोरंजक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी ।

प्रतियोगी छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़

प्रयागराज। ग्लोबल डिजिटल जोन वेगम बाजार, बम्हरौली प्रयागराज जो कि रेलवे लाइन से महज 50 मीटर की दूरी एवं बम्हरौली एयरपोर्ट व एयरफोर्स ट्रेनिग सेन्टर पायलट सवे से महज मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। यहाँ पर विभिन्न भर्ती आयोग की आनलाइन सेन्टर परीक्षाये उक्त सस्थान में होती रहती है। प्रतियोगी छात्रों से बातचीत करने पर छात्रों द्वारा शिकायत की गई कि रेल गाडियों के आवा–गमन व यात्री विमानो तथा लडाकू विमानों के उड़ान से छात्र परीक्षा के दौरान बाधित होते है।

एसडीएम खतौली मोनालिसा जौहरी ने की पीस कमेटी की बैठक

मुजफ्फरनगर। आगामी त्यौहारों (जुम्मा, होली व ईद) को सकुशल सम्पन्न कराने, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ रखने तथा शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाये रखने हेतु उपजिलाधिकारी खतौली मोनालिसा जौहरी व थाना अध्यक्ष द्वारा थाना खतौली पर संभ्रान्त व्यक्तियों व धर्मगुरुओं के साथ मीटिंग कर सभी से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गयी। आगामी त्यौहारों (जुम्मा,

होली व ईद) को जनपद में सकुशल सम्पन्न कराने, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ रखने तथा शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाये रखने के उद्देश्य से उप जिला मजिस्ट्रेट खतौली मोनालिसा जौहरी व प्रभारी निरीक्षक खतौली द्वारा थाना खतौली में क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों व धर्मगुरुओं के साथ पीस कमेटी मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों से अपील की गयी कि सभी लोग एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें, जनपद में शांति व्यवस्था बनाये रखें, शांतिपूर्ण तरीके से जुमे की नमाज अदा करे, साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाडने की कोशिश करने वालोंध्असामाजिक तत्वोंधकिसी भी प्रकार की आपराधिक अवंछित गतिविधियों दिखाई देने पर इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें बल्कि अफवाह की पुष्टि उच्चाधिकारियों से करे तथा जनपद में सौहार्दपूर्ण वातावरण का माहौल बनाये रखने में पुलिस व प्रशासन का सहयोग करें। सोशल मीडिया पर ऐसी कोई भी पोस्ट शेयर न करें जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हों तथा किसी भी प्रकार की भडकाऊध्गलतध्अशोभनीय पोस्ट शेयर न करें जिससे आपसी सौहार्द खराब हो साथ ही किसी भी हिंसात्मक अथवा कानून विरोधी गतिविधि का हिस्सा ना बनें तथा आगामी पर्वध्त्यौहारों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनायें। मीटिंग के दौरान अन्य अधिकारीध कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बैंगलोर में साहित्य की निगहबानी

बैंगलौर (शहर समता समाचार)स बसंतोत्सव में साहित्योत्सव के शीत परोसे, उपस्थित सभी अघट विद्वान कवि कवयित्रियों ने। श्जीना चाहता हूँ मरने के बाद फाउंडेशन एक भारतश के तत्वावधान में दिनांक– 05 फरवरी 2025 को राश दादा राश के निवास स्थल पर आयोजित बसंतोत्सव में साहित्योत्सव की आहुति में ऋता शेखर श्मधुश एवं डॉ० पुष्पा जमुआर द्वारा रचित लोकभाषा मगही का प्रथम हाइकु संग्रह श्हाइकु पुष्प–मधुश का लोकार्पण किया गया। उसके साथ विभा रानी श्रीवास्तव द्वारा संपादित लघुकथा संग्रह श्समयक सम्बोधिश का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में वीणा मेदनी, ऋता

शेखर मधु, पल्लवी शर्मा, सुधा भार्गव दृष्टा, गीता चौबे गूंज, विनीता छावनियाँ, संतोष भाऊवाला, एडवोकेट अंजू भारती, डॉ. सुनील तरुण, राही राज, प्रीति राज, कमल के राजपूत, इंदु झुनझुनवाला, अरुणा राणा, संतोष भाउवाला, नन्द सारस्वत इत्यादि उपस्थित थे। सभी उपस्थित साहित्यकारों के द्वारा सरस काव्य पाठ भी किये गए। सभी कवि कवयित्रियां बैंगलोर की सिद्ध प्रसिद्ध हस्ताक्षर हैं और स्वयं में एक पूर्ण संस्था एवं संगठन हैं। मंच का दिव्य संचालन प्रबल प्रताप सिंह राणा और धन्यवाद ज्ञापन जीना चाहता हूँ मरने के बाद फाउंडेशन एक भारतश के संस्थापक,चेयरमैन राश दादा राश ने किया। जीना फाउंडेशन के मीडिया सचिव दुर्गेश मोहन ने बताया कि राश दादा राश जी ने फाउंडेशन के तत्वावधान में साहित्यकारों के इस संगम का संयोजन किया , भविष्य में अनुकूल समय पर पुनः आयोजन होगा।

सम्पादकीय.....

रंगभरे कैनवस पर रची गयी फिल्में

साल का यह समय वह है, जब फिजा में लाल, गुलाबी, पीले व हरे रंग बिखरे हुए हैं। इसके लिए होली का शुक्रिया अदा करना जरूरी है। रंगों के इस उत्सव का भारतीय संस्कृति में जबरदस्त महत्व है और इस अवसर की मौज–मस्ती का बॉलीवुड फिल्मकारों ने भरपूर फायदा उठाया है। रोमांस, ड्रामा व जज्बाती उतार–चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया। अनेक फिल्मों में कहानी आगे बढ़ाने के लिए होली पृष्ठभूमि के तौरपर प्रयोग की गयी। होली कब है? इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। इस तरह कहानी को दिशा देने के लिए फिल्म में होली की उमंग व पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। यही नहीं, रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) व बसंती (हेमा मालनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने के लिए भी प्रयोग किया गया और इस अवसर पर जो गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' गाया गया वह तो होली प्लेलिस्ट का हिस्सा बन गया है। यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' में होली का सीन और चर्चित गीत 'रंग बरसे' भी है, जो कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में भूमिका निभाता है। जैसे ही होली की तरंग सिर चढ़कर बोलती है वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच को भूल जाते हैं। उनका प्रेम जगजाहिर हो जाता है और अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है। फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे रीति–रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। विद्रोही राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुखध खान) एहतियात को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। छात्र नाचते–गाते हुए प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है। अयान मुखकी फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर व पढ़ाकू समझता था, लेकिन जब होली जश्न में वह नैना को बिंदास, मस्त रूप में देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। हमें दोस्ती और मस्ती के पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं। इसी तरह 'गोलियों की रासलीला राम–लीला' फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार खिलने का अवसर मिल जाता है। फिल्म 'दामिनी' की कहानी का आधार ही होली पर हुई घटना थी। एक गरीब घर की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) को एक रईस लड़का (ऋषि कपूर) नाचते हुए देखता है। अपने परिवार का विरोध करते हुए भी उससे शादी कर लेता है। लड़की उस खोखले समाज में अपने को मिसफिट पाती है, पर बर्दाश्त करती रहती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली पर उसके पति का छोटा भाई दोस्तों के साथ मिलकर घर की नौकरानी से सामूहिक बलात्कार करता है, और बाद में हत्या भी, जिसे दामिनी देख लेती है और अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है। तो होली न सिर्फ रंगों व मस्ती का त्योहार है बल्कि प्रेम व्यक्त करने का अवसर भी। जाहिर है ऐसी सिचुएशंस फिल्म वालों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना–बाना होली के इर्दगिर्द बुना गया और होली पर फिल्मी गानों की तो एक लम्बी सूची है। हालांकि फिल्मों में अब होली गाने न के बराबर हो गये हैं। हालांकि पहले की हिंदी फिल्मों में ऐसे बहुत ही कम वर्ष हैं कि जिस साल कोई न कोई हिट गीत होली पर न आया हो। हिंदी फिल्मों में होली के गीत देने का ट्रेंड महबूब खान की फिल्म 'औरत' (1940) से शुरू हुआ, जिसमें होली के एक नहीं बल्कि दो गीत थे। पहला गीत था 'जमुना तट श्याम खेले होरी' और दूसरा था 'आज होली खेलेंगे साजन के संग'।

डिजिटल आर्ट के उभरते क्षेत्र में बनाएं भविष्य

नरेंद्र कुमार

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और वीआर (वर्चुअल रिएलिटी) के विकास के साथ डिजिटल आर्ट भविष्य के लिए एक प्रोमिसिंग क्षेत्र बनकर उभरा है।

देश में हर क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, उसे देखते हुए भारत में डिजिटल आर्ट के क्षेत्र में कैरियर की जबर्दस्त संभावनाएं उभरी हैं। यहां एनीमेशन, गेमिंग, फिल्म, विज्ञापन और सोशल मीडिया इंडस्ट्रीज की मांग लगातार बढ़ रही है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और वीआर (वर्चुअल रिएलिटी) के विकास के साथ डिजिटल आर्ट भविष्य के लिए एक प्रोमिसिंग क्षेत्र बनकर उभरा है। अगर साल 2025 से 2030 के बीच अनुमान लगाएं तो भारत में अकेले गेमिंग इंडस्ट्री ही 10 से 12 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर चुकी होगी। साल 2024 में ही यह 3 बिलियन टर्नओवर का सालाना आंकड़ा पार कर चुकी थी। गेमिंग इंडस्ट्री बड़े पैमाने पर डिजिटल आर्टिस्टों को अपने यहां नौकरी देती है, जबकि एनीमेशन और वीएफएक्स की मांग भी लगातार बढ़ रही है, जिसकी वजहें बिल्कुल रियल एक्सपीरियंस देने वाला ओटीटी प्लेटफॉर्म, विज्ञापन उद्योग और फिल्में हैं। इंस्टाग्राम, यू–ट्यब और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म में डिजिटल आर्टिस्टों की खूब मांग है। इस फील्ड में फ्रीलांस के भी अच्छे मौके हैं। इस क्षेत्र में प्रोमिसिंग कैरियर हासिल करने के लिए कुछ डिग्री पाठ्यक्रम और संस्थान श्रेष्ठ हैं। बता दें कि डिजिटल डिजाइन और विचुअल आर्ट में अहमदाबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन में बेहतरीन कोर्स उपलब्ध हैं। यह डिग्री कोर्स करने के बाद नौकरी की हर तरफ संभावनाएं रहेंगी। वहीं सी–डैक संस्थान से मल्टीमीडिया और डिजाइन टेक्नोलॉजी से जुड़े कई सर्टिफिकेट कोर्स किये जा सकते हैं, जिसके बाद डिजिटल आर्ट में कैरियर की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा आईआईटी बॉम्बे के आईडीसी स्कूल ऑफ डिजाइन से इंट्रैक्शन डिजाइन और डिजिटल आर्ट के बेहतरीन कोर्स कर सकते हैं। इसके साथ ही एनीमेशन और वीएफएक्स पर केंद्रित कोर्स माया एकेडमी ऑफ एडवांस सिनेमेटिक्स से कर सकते हैं। इसी तरह पर्ल एकेडमी ऑफ दिल्लीध्मुंबई से डिजिटल आर्ट और डिजाइनिंग में डिग्री और डिप्लोमा कोर्स करके डिजिटल आर्ट क्षेत्र में कैरियर बनाया जा सकता है। डिजिटल आर्ट के क्षेत्र में काम करना है तो विदेश में भी कई संस्थान बेहतर हैं। जैसे डिजिटल मीडिया विजुअल आर्ट्स में अमेरिका स्थित रोड आइसलैंड स्कूल ऑफ डिजाइन विश्व स्तरीय संस्थान है। अमेरिका में ही एनीमेशन और गेम आर्ट के लिए सेवंथ कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन प्रसिद्ध है। अगर फ्रांस में पढ़ना चाहते हैं तो यहां वीएफएक्स और डिजिटल एनीमेशन में विश्व स्तरीय संस्थान मौजूद है, जिसका नाम गोबलिन्स एल इकोड डी ला इमेज है। इसी तरह लंदन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स से भी डिजिटल आर्ट, ग्राफिक डिजाइन और थ्री डी आर्ट में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। गेमिंग कंपनियां जैसे यूबी सॉफ्ट, रॉक स्टार गेम्स, ईए स्पोर्ट्स, जिंगा और नजारा टेक्नोलॉजी जैसी कंपनियां कई तरह की नौकरियां देती हैं। इसी तरह फिल्म और वीएफएक्स इंडस्ट्री में रेड चिलीज वीएफएक्स, एमटीसी, डीएनजीई, प्राइम फोकस और फ्रेम स्टोर जैसी कंपनियां नौकरी देने में आगे हैं। मीडिया विज्ञापन क्षेत्र में ऑगेलिग, वंडरमैन, थॉमसन, लियोवर्नेट आदि एड एजेंसियां काफी नौकरियां देती हैं। इसी तरह एआई और स्टार्टअप्स क्षेत्र में भी टीसीएस, इनफोसिस, विप्रो जैसी कंपनियां यूएक्सध्यूआई डिजाइन के लिए डिजिटल आर्टिस्ट हायर करती हैं। सबसे पहले स्किल सीखें यानी फोटोशॉप, इलेस्ट्रेटर, ब्लैंडर, प्रो–क्रिएट, यूनिटी, अनरियल इंजन जैसे टूल्स में मास्टरी हासिल करें, अपना पोर्टफोलियो बनाएं, इंटरनर्शिप करें। फ्रीलांस प्रोजेक्ट्स लें और नेटवर्क बनाएं। प्रारंभिक कैरियर के लिए ये उपाय फायदेमंद हैं। इस क्षेत्र में फ्रेशर को 4 से 8 लाख रुपये का पैकेज मिल जाता है। अगर 3 से 7 साल तक का अनुभव है तो 8 से 20 लाख रुपये का पैकेज पा सकते हैं। सीनियर डिजिटल आर्टिस्ट को 20 से 50 लाख रुपये तक का पैकेज मिल सकता है, जबकि फ्रीलांस और एनएफटी सेल्स के जरिये भी लोग 10 लाख रुपये तक सालभर में कमा लेते हैं। कैरियर काउंसलरों का मानना है कि साल 2025 से 2030 के बीच डिजिटल आर्ट का क्षेत्र बहुत उन्नति करेगा। लेकिन इसके लिए अच्छे संस्थानों में पढ़ाई और रणनीति बनाना जरूरी है।

भारतीय टीम ने लिखी नई इबारत, 12 साल बाद जीती चौम्पियंस ट्रॉफी

मुजफ्फरनगर। आज भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय पर किसानो की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया गया। पंचायत का संचालन मोहित मलिक एवं अध्यक्षता हरपाल डायरेक्टर पुरबालियान ने किया।

पंचायत को संबोधित करते हुए धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि जनपद का किसान समस्याओं से पस्त है लेकिन अधिकारी मस्त हैं। आज किसानो के सामने राजस्व की त्रुटि के कारण वित्त से वंचित हो रहे है। जनपद में गन्ना का उत्पादन गिर रहा है लेकिन अधिकारी एवं मिल कर्मी बीज बेचने में व्यस्त है। सहकारिता विभाग किसानो के ब्याज की सब्सिडी वापस नहीं हो रही है। सुधीर पंवार ने कहा कि तहसील में अगर किसान खतौनी में नाम ठीक कराने के लिए जाता है तो अधिकारी मुकदमा दायर करने की बात करते है।आज अधिकतर किसान तहसील में खड़े है। सरकार मुकदमे कम करने की बात करती है दूसरी तरफ जबरदस्ती मुकदमे दायर कराए जा रहे है। विनीत त्यागी ने कहा कि सहकारी बैंक में पैसे जमा करने के बाद भी बकायेदार है। कई बार शिकायत करने के बावजूद भी कोई कार्यवाही नही हो रही है। पंचायत को विपिन त्यागी, कुशलवीर ठाकुर,अमित ठाकुर, शुभम वत्स, शहजाद राव,बिजेंद्र बालियान, नीरज मलिक,योगेश मुखिया,सद्दाम हुसैन, मुन्ना सिंह,मोनू सोम, बाबर प्रधान, कासिम प्रधान सोरम, लतापत प्रधान, सहित कई लोगों ने संबोधित किया। पंचायत में सैकड़ों लोग शामिल रहे।

नगर मजिस्ट्रेट को जिलाधिकारी के नाम संबंध ज्ञापन दिया गया। नगर मजिस्ट्रेट महोदय ने संबंधित विभागों से 17 मार्च को संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कराकर समस्याओं के समाधान का आश्वाशन दिया।

'ज्ञापन

जिलाधिकारी महोदय मुजफ्फरनगर

विषय–जनपद में किसानो की समस्याओं के समाधान हेतू मान्यवर

अवगत करना है कि जनपद में किसानो को कई समस्याओं का समाधान लंबे समय से नही हो पा रहा है ।जिससे किसानो को अधिकारियों के चक्कर लगाने पद रहे है। आज दिनांक 10 मार्च को जिलाधिकारी कार्यालय मुजफ्फरनगर पर प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक निम्न मांग करते है

राजस्व विभाग– 1–जनपद में रियल टाइम खतौनी बनते समय किसानो के अंश एवं नाम दोनों में त्रुटियों होने के कारण किसानो को बैंकों से ऋण नहीं मिल रहा है। गलती सुधार हेतु किसान 6 माह से तहसील में चक्कर लगा रहे है लेकिन कोई समाधान नहीं हो पा रहा है।गांव में चौपाल लगाकर त्रुटियों में सुधार कराया जाय

2– शासनादेश के अनुसार 13 दिन में विरासत दर्ज कराई जाए एवं बिना आपत्ति के दाखिल खारिज के दावों का निस्तारण 40 दिन की अवधि में किया जाय। दाखिल खारिज के दावों की सूची बनाकर मासिक समीक्षा की जाय

3– लेखपालों द्वारा निजी सहायक रखने का चलन जोरो पर है।जिससे भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। ऐसे लेखपालों के विरुद्ध कार्यवाही की जाय

4– जमीन पैमाईश के प्रार्थना पत्र पर समय चलते कार्यवाही न होने के कारण आपसी झगड़े बढ़ रहे है। जमीन की पैमाईश के प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की समय सीमा तय की जाय। उपजिलाधिकारी को राजस्व से संबंधित प्राप्त प्रार्थना पत्रों की प्राप्ति किसानो को दी जाय

5–चकबंदी में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त किया जाय। जनपद के ग्राम खामपुर,चौकड़ा की चकबंदी का पुनर्निरीक्षण कराया जाये।

गन्ना – 1– जनपद में पायरिला, टॉप बोरर, रेड रोट आदि गंभीर बीमारियों के चलते उत्पादन में भारी कमी आई है लेकिन विभाग द्वारा इस संबंध को शोध पत्र जारी नहीं किया है। इसके कारण की जांच होती भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की टीम से कराई जाय

2– गन्ने में बीमारियों के चलते गन्ना विभाग एवं शुगर मिल। कर्मचारी मिलकर आपदा में अवसर तलाश रहे है। गन्ना विभाग,शुगर मिल गोष्ठी के नाम पर पेस्टिसाइड बेचने का कार्य कर रहे है। शुगर मिल के गन्ना विकास के कर्मचारी जानकारी के अभाव गलत कीटनाशक बेच रहे हैं जिससे किसानो को नुकसान हो रहा है। शुगर मिल का कार्य कीटनाशक बेचने का नहीं है । इस पर रोक लगाई जाय

3– जनपद में शुगर मिलो द्वारा किसानो को महंगा बीज बेचा जा रहा है किसानो को बीज गन्ना मूल्य के बराबर ही दिया जाय। प्रोत्साहन राशि मिल द्वारा वहन की जाय

सहकारिता विभाग– 1– जनपद में सहकारिता विभाग द्वारा किसानो के क्रेडिट कार्ड की 4: की सब्सिडी वापस नहीं की जा रही है। किसानो को नए ऋण भी नहीं दिए जा रहे है। जिससे किसानो को समस्या हो रही है। इसका समाधान कराया जाये।

2– जनपद में सहकारिता को बढ़ाने हेतु विभाग द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाय।

3– जिला सहकारी बैंक द्वारा किसानो के साथ मिलकर खाद्य प्रसंस्करण प्लांट लगाए जाए

पशुपालन–1– पिछले कई वर्षों से जनपद में गाय में बांझपन की समस्या बढ़ रही है लेकिन विभाग द्वारा इस पर कोई कार्यक्रम नहीं चलाया जा रहा है। सरदार वल्लभभाई पटेल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर इस पर शोध कार्यक्रम चलाया जाय

2– नकली सीमन पर रोक लगाई जाय।

3– पशु बीमा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाय

4– जनपद में आवारा पशुओं से रोज जानमाल का नुकसान हो रहा है। किसानो को आवारा पशुओं से निजात दिलाई जाय।

भूमि अधिग्रहण – जनपद में निर्मित राष्ट्रीय राजमार्ग 709 एड़ी में किसानो की समस्याओं जैसे सिंचाई की नाली,चौराहों का सुरक्षात्मक डिजाईन, चकरोड की मरम्मत,आर्बिट्रेशन का निस्तारण, ,ग्राम धौलारी के मार्ग को खुलवाया जाना आदि समस्याओं का निस्तारण किया जाय।

2– डेडीकेटेड फ्रंट कोरिडोर,राष्ट्रीय राजमार्ग 58, आदि सभी अधिग्रहण से सम्बंधित आर्बिटेशन के वाद तय किए जाय

बिजली – किसानो को सामान्य योजना में स्वीकृत निजी नलकूपों का सामान दिलाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के बिल ठीक कराए जाय

2– गांव में संविदा कर्मचारियों द्वारा झूठी बिजली चोरी की रिपोर्ट लिखाई जाती है। संविदा कर्मचारियों को उसके गांव से अन्य बिजलीघर पर नियुक्त किया जाए

स्वास्थ –1– जनपद में स्वस्थ विभाग में भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर है। जिला अस्पताल में कुछ लोगों द्वारा गलत मेडिकल ,ऑपरेशन आदि का कार्य कराया जा रहा है। । इनके विरुद्ध कार्यवाही की जाए

2– जनपद के हर गली मोहल्लों में कुकरमुत्ते की तरह नर्सिंग होम खुल रहे है। इनके पास केवल डॉक्टर के कागज है डॉक्टर नहीं है। जिससे अनधिकृत व्यक्ति इलाज कर रहे है। ऐसे कई अस्पताल में मौत भी हो रही है। इनकी नियमित जांच की जाए। डॉक्टर के न मिलने पर इनके पंजीकरण निरस्त किए जाय।

डॉनल्ड ट्रंप का भारत के प्रति रवैया

प्रेम शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का रूख भारत के प्रति सकारात्मक नही दिख रहा है। पहले अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को अपमानित कर बेडियॉ डालकर वापस भेजना फिर टैरिफ का हमला करना उनकी व्यापारिक कूटनीति का प्रमाण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप टैरिफ के सवाल पर जिस तरह का अड़ियल रुख दिखा रहे हैं, उसके मद्देनजर अब यह उम्मीद करने का खास मतलब नहीं दिखता कि वह आखिरकार अपनी राह बदलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रंप ने उनके सामने टैरिफ पर जैसे को तैसा की नीति अपनाने की बात कह कर सबको चौंका दिया था। अब अमेरिकी संसद में उन्होंने दोबारा भारत का नाम लेते हुए 2 अप्रैल से इस नीति पर अमल की घोषणा कर रहा–सहा संदेह भी समाप्त कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप न केवल पिछली सरकारों के दौरान किए गए समझौतों और दी गई प्रतिबद्धताओं से पीछे हटते रहे हैं बल्कि कनाडा और मेक्सिको पर ऊंचा टैरिफ लगाकर अपने पिछले कार्यकाल के दौरान 2019 में इन देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते का भी निरादर करते दिख रहे हैं। ऐसे में यह सवाल पूछा जा रहा है कि उनके साथ कोई समझौता हो भी जाता है तो उसके टिके रहने की क्या गारंटी होगी। ऐसे में टैरिफ बढ़ने के खतरे को वास्तविक मानकर इससे उपजी चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करना ज्यादा जरूरी है। यह कोई आसान राह नहीं साबित होने वाली, लेकिन दो स्तरों एक साथ प्रयास करते हुए आगे बढ़ा जा सकता है।जहां भी संभव हो अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क में कटौती कर बदले में अमेरिकी सरकार से रियायत ली जाए। इसके साथ ही ट्रंप की पॉलिसी से प्रभावित हो रहे अन्य देशों के साथ समझौता करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। मसलन, अमेरिकी बाजार में मुश्किलें झेल रहा कनाडा अभी हमारे काम आ सकता है। पुराने मतभेदों को फिलहाल एक तरफ करके आपदा की इस स्थिति में बन रहे अवसरों का तत्काल और बेहिचक इस्तेमाल करने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुार तो अमरीका के अड़ियल रूख को देखकर भारत को अमेरिका के साथ सभी बातचीत से हट जाना चाहिए। ट्रंप प्रशासन के साथ चीन और कनाडा जैसे देशों की तरह पेश आना चाहिए। अमेरिका भारत पर उन व्यापारिक मांगों को मानने के लिए भारी दबाव डाल रहा है जो ज्यादातर अमेरिकी हितों के पक्ष में हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके अधिकारी ज्यादातर गलत आंकड़ों का इस्तेमाल करके सार्वजनिक रूप से भारत का अपमान कर रहे हैं। ऐसे हालात में कोई भी संतुलित नतीजा संभव नहीं है। एक व्यापक व्यापार समझौता न केवल टैरिफ में कटौती पर, बल्कि सरकारी खरीद, कृषि सब्सिडी, पेटेंट कानूनों और अप्रतिबंधित डेटा प्रवाह पर भी अमेरिकी मांगों के लिए दरवाजे खोल देगा। भारत इसका लगातार विरोध करता रहा है। भारत बदले के दृष्टिकोण के तहत 90 फीसदी से अधिक औद्योगिक वस्तुओं को कवर करने वाली एक व्यापक पारस्परिक टैरिफ व्यवस्था पर विचार करे। ऐसे में भारत तभी टैरिफ खत्म करेगा जब अमेरिका भी ऐसा ही करे। डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से अमरीका में गाड़ी महंगी होने के चलते कंपनी कभी भी भारत में अपना बिजनेस नहीं बढ़ा पाएगी। कम एक्सपोर्ट से व्यापार घटा बढ़ता है। इकोनॉमी धीमी रफ्तार से बढ़ेगी। लेकिन इसके ठीक विपरीत भारत में रेसिप्रोकल टैरिफ से फूड प्रोडक्ट, टेक्सटाइल्स, क्लोदिंग, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, जेम्स एंड ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोबाइल जैसे इंडियन एक्सपोर्ट अमेरिकी बाजार महंगे हो सकते हैं। इससे ये सामान वहां कंपीट नहीं कर पाएंगे। अभी भारत के सामान पर अमेरिका कम टैरिफ लगाता है।

जिससे भारत को ट्रेड सरप्लस का फायदा मिलता है। टैरिफ बढ़ने से भारत को ट्रेड सरप्लस से मिलने वाला फायदा कम हो सकता है। अमेरिका के ज्यादा टैरिफ से बचने के लिए अगर भारत अमेरिकी सामानों पर टैरिफ घटाता है, तो अमेरिकी चीजें भारतीय बाजार में सस्ती हो जाएंगी। इससे इन सामानों का इंपोर्ट बढ़ सकता है। ज्यादा इंपोर्ट का मतलब डॉलर की ज्यादा डिमांड यानि रुपया कमजोर होगा और भारत का इंपोर्ट बिल बढ़ जाएगा। इसका मतलब अब अमेरिका से सामान खरीदने के लिए ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। अगर भारत टैरिफ कम नहीं करता, तो अमेरिकी कंपनियां हाई टैरिफ से बचने के लिए भारत में ही अपने प्रोडक्शन पर जोर दे सकती हैं, इससे फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा। टैरिफ से भारत के ऑटो से लेकर कृषि तक के एक्सपोर्ट सेक्टर में चिंता बढ़ गई है। अनुमान के आधार पर ट्रम्प के टैरिफ बढ़ाने से भारत को हर साल लगभग 7 बिलियन डॉलर यानि 61 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। हालाकि जब से अमेरिका ने पारस्परिक शुल्क की घोषणा से दुनिया भर में आशंकाओं के बादल गहराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जो देश जितना शुल्क हमसे वसूलता है, उतना ही शुल्क हम भी उससे वसूल करेंगे। माना जा रहा है कि इससे व्यापार युद्ध शुरू हो जाएगा। चीन सहित कई अन्य देशों ने इसका सीध प्रतिवाद किया है। मगर भारत की तरफ से तुरंत इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। स्वाभाविक ही सबकी नजरें भारत की तरफ लगी हुई थीं। भारत के विदेशमंत्री के अनुसार अमेरिका की शुल्क संबंधी नीतियों का भारत पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। वैसे भी अमेरिका खुद महंगाई से पार पाने की चुनौती से जूझ रहा है। उसमें अगले महीने से पारस्परिक शुल्क लगने से जब दूसरे देशों से वस्तुएं महंगी दरों पर वहां पहुंचेंगी, तो महंगाई और बढ़ेगी ही। अमेरिका दवा और बहुत सारी चीजों के कच्चे माल के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है। इसलिए माना जा रहा है कि वह अपने इस फैसले पर ज्यादा समय तक टिका नहीं रह पाएगा। बहरहाल भारत को सजग और सर्तक रहते हुए अमरीका की नीतियों का सामना करना चाहिए।

आईफा अवार्ड 2025 में करीना कपूर का रॉयल लुक, वायरल हुई तस्वीरे

करीना कपूर ने आईफा अवार्ड 2025 में एक ऐसा लुक पेश किया, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने फैशन डिजाइनर तरुण तहिलियानी की 2008 की मशहूर मॉडर्न इंडिया साड़ी को एक नए और बेहद स्टाइलिश अंदाज में पहना। इस साड़ी का डिजाइन और उसकी खूबसूरती ने करीना के लुक को और भी खास बना दिया। करीना ने जो साड़ी पहनी, वह प्री–ड्रेप्ड साटन–सिल्क साड़ी थी, जिसमें जरदोजी कढ़ाई, गोल्डन बॉर्डर और सीक्विन वर्क का खास इस्तेमाल किया गया था। इस साड़ी की शाही खूबसूरती और उसकी डिटेलिंग ने करीना के लुक को एक नई पहचान दी। इसके साथ ही, करीना ने एक सिल्क ओवरले भी पहना, जो साड़ी के लुक को और बढ़ा रहा था। इस ओवरले का डिजाइन बारीक बॉर्डर और ओपन–फ्रंट था, जो उनके पूरे लुक को और भी एलिगेंट बना रहा था। करीना का यह लुक स्ट्रक्चर्ड कॉर्सेट ब्लाउज के बिना पूरा नहीं हो सकता था। इस ब्लाउज में जरदोजी डिटेलिंग और चौड़ा नेकलाइन था, जो उसे और भी स्टाइलिश बनाता था। इसके स्ट्रैप्स मजबूत थे, जो इसे एक बोल्ड और

> करीना ने जो साड़ी पहनी, वह प्री-ड्रेप्ड साटन-सिल्क साड़ी थी, जिसमें जरदोजी कढ़ाई, गोल्डन बॉर्डर और सीक्विन वर्क का खास इस्तेमाल किया गया था। इस साड़ी की शाही खूबसूरती और उसकी डिटेलिंग ने करीना के लुक को एक नई पहचान दी।

क्लासी लुक दे रहे थे। ब्लाउज के बैक में शीयर पैनल और रिबन टाईज का उपयोग किया गया था, जिससे यह लुक और भी आकर्षक और सशक्त लग रहा था। करीना ने अपनी साड़ी के साथ कुछ बेहद खूबसूरत गोल्ड ज्वेलरी पहनी। उन्होंने एमराल्ड से जड़ी चोकर, बड़े ईयररिंग्स, रिंग्स और एक स्टाइलिश कड़ा पहना था। इन ज्वेलरी आइटम्स ने उनके पूरे लुक को रॉयल टच दिया और करीना की खूबसूरती में चार चांद लगाए। करीना ने अपने मेकअप को सटल और क्लासिक रखा। बिंदी, विंग्ड आईलाइनर और रोज गोल्ड आईशैडो के साथ उनके आंखों का लुक काफी निखर कर सामने आया। न्यूड पिंक लिप्स, फ्लश्ड चीक्स और नेचुरल ब्रोज ने उनके लुक को और भी परफेक्ट बना दिया। उनका हाइलाइटर और ब्राइट स्किन मेकअप लुक को और भी खास बना रहे थे। उनका चेहरा एकदम परफेक्ट और शाही लग रहा था। करीना का यह लुक सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं था, बल्कि भारतीय फैशन के समृद्ध कल्चर को भी दर्शा रहा था। पारंपरिक जरदोजी कढ़ाई और आधुनिक सिलुएट्स के इस मेल ने करीना को एक रॉयल, लेकिन ट्रेंडी लुक दिया। डिजाइनर तरुण तहिलियानी ने हमेशा से भारतीय एस्थेटिक्स को मॉडर्न ट्विस्ट देने के लिए अपनी पहचान बनाई है। करीना का यह लुक उनकी इसी सिग्नेचर स्टाइल का बेहतरीन उदाहरण था, जो आधुनिकता और परंपरा का बेहतरीन मिश्रण था। वाकई, करीना का यह लुक हर महिला के लिए एक प्रेरणा है, जो फैशन और संस्कृति के साथ खुद को एक अलग पहचान देने का सपना देखती है।

क्लासिक फिल्मों में होली गीतों की रंगत

हिंदी फिल्मों का एक दौर ऐसा भी था, जब कई फिल्मों में सिचुएशन बेस्ड होली के गानों को प्रमुखता से स्थान दिया जाता था। निर्माता–निर्देशक ऐसे गानों को भी एक आइटम के तौर पर इस्तेमाल करते थे। महबूब खान की 'आन' से लेकर रमेश सिप्पी की 'शोले' तक ऐसी कई फिल्मों के उदाहरण हैं। आज ऐसे मिसालें कम ही देखने–सुनने को मिलती हैं। संयोग से ऐसी कोई फिल्म आ भी जाती है, तो उसके होली गानों की न कोई चर्चा होती है, और न ही वह ज्यादा बजते हैं। पिछले दो साल के दौरान प्रदर्शित कुछ फिल्मों की बात करें, औरों में कहां दम था, वेदा, आजाद, नेटफ्लिक्स की महाराज जैसी कई नई फिल्मों में होली गीतों का फिल्मांकन किया गया। इनके फिल्मांकन में काफी पैसा भी खर्च किया गया, मगर कमजोर प्रस्तुति और गीतों के चलते ये गाने प्रभावित नहीं कर पाए। वैसे 'औरों में कहा दम था ' में होली के दृश्यों को निर्देशक नीरज पांडे ने फिल्मी जोड़ी अजय देवगन–तब्बू पर कोई डांस सीक्वेंस न फिल्माकर उन्हें महज एक मोंटाज में होली खेलते हुए दिखाया था। बस, इस दौरान पार्श्व में सिर्फ एक गीत बजता रहा है। आलोचकों का मानना है कि अब पहले की तरह होली गीत किसी आइटम की तरह नहीं आते हैं। महज एक सीक्वेंस की तरह इनका इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए श्रोताओं–दर्शकों पर इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। न ही इन फिल्मों के होली गीत बजते हुए सुनाई पड़ते हैं। कुछ माह पहले रिलीज जॉन अब्राहम की फिल्म 'वेदा ' का होली गीत 'होलियाना' को बजते हुए नहीं सुना गया। आन, मदर इंडिया, कोहिनूर, दो दिल, नवरंग, फागुन, उपकार, जख्मी, कटी पतंग, नमक हराम, शोले, सिलसिला, बागबान, नदिया के पार, वक्त आदि ऐसी कुछ ओल्ड क्लासिक फिल्मों के होली गीत हैं, जिनकी गूंज आज भी होली से जुड़े सभा–समारोहों में होती रहती है जाहिर है इनके साथ छोटी–बड़ी दिलचस्प घटनाएं भी स्वाभाविक तौर पर जुड़ जाती थीं। अब जैसे कि फिल्म आन के एक फिल्मी गीत 'खेलो रंग हमारे संग' के कम्पोजीशन में आठ दिन लगे थे। क्योंकि फिल्म निर्देशक महबूब खान इसकी सुर रचना में भरपूर मस्ती चाहते थे। संगीतकार नौशाद और गीतकार शकील बदायूंनी ने धैर्यपूर्वक उनका मनमुताबिक गाना बनाया। फिल्मांकन में 10 दिनों का वक्त लगा था। इसी तरह कालजयी फिल्म 'मदर इंडिया' के होली गीत 'होली आई रे कन्हाई' के फिल्मांकन में महबूब खान ने बीस दिन का समय लिया था। गानों के फिल्मांकन के दौरान ही फिल्मकार इनकी लोकप्रियता को अच्छी तरह पकड़ने की कोशिश करते थे। जैसे कि हृषिकेश मुखर्जी की फिल्म 'दो दिल' के एक गाने की धुन 'बम,बम भोले ' तो तीन दिन में ही कैफी आजमी और हेमंत कुमार ने तैयार कर दी थी, मगर इसकी शूटिंग पूरे सात दिन चली थी। इन फिल्मों के होली गीत आज भी सजग सिने रसिकों के जेहन में मौजूद हैं। इसके बाद के वर्षों में आई कुछ फिल्मों सिलसिला, बागबान, ये जवानी है दीवानी, नदिया के पार जैसी फिल्मों के होली गीत आज भी होली पर खूब बजते हैं जैसे जोगी जी धीरे,धीरे, बलम पिचकारी, रंग बरसे, होली खेले रघुवीरा आदि।नए दौर के अभिनेताओं में रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, विकी कौशल, कार्तिक आर्यन जैसे कुछेक हीरो ही होली गीत में रुचि दिखाते हैं। जहां तक रणबीर कपूर का सवाल है, 'ये जवानी है दीवानी ' के गाने 'बलम पिचकारी' की शूटिंग में उनका विशेष योगदान था। अमिताभ बच्चन ने ऐसे गीतों के फिल्मांकन में बिल्कुल जीवंत रंग दिया था। यश चोपड़ा की 'सिलसिला' में संजीव कुमार और रेखा के साथ उनकी शानदार प्रस्तुति आज कई यादें ताजा कर देती है। 'शोले' के घर–घर बजने वाले गाने 'होली के दिन' की शूटिंग निर्देशक रमेश सिप्पी ने सात दिनों तक की थी। जब भी गाने पूरी संजीदगी के साथ आते हैं, उनके पीछे निर्माता की दरियादिली खुलकर सामने आती है। वह चाहे छोटा हो या बड़ा, वह ऐसे गानों की शूटिंग का बजट काफी ज्यादा रखता है। जहां तक बड़े निर्माता का सवाल है, सिर्फ सिप्पी ही नहीं, यश चोपड़ा, संजय लीला भंसाली, करण जौहर, बीआर चोपड़ा आदि बजट को ऐसी फिल्मों की बड़ी बाधा नहीं मानते हैं आज यदि हिंदी फिल्मों में होली गीत न के बराबर आ रहे हैं, तो इसके लिए हमारी निजी जीवन में आया बदलाव भी है। देश के विभिन्न प्रांतों में होली अपने पुराने अंदाज में मनाई जा रही है, पर बॉलीवुड अपने अंदाज में ऐसे दृश्यों को अपने तरीके से रखना चाहता है, जो आम दर्शकों को पसंद नहीं आते।

पैपराजी की इस हरकत पर उर्फी जावेद का फूटा गुस्सा, बोली-बस निकलने ही वाली है...

बॉलीवुड का सबसे बड़ा अवॉर्ड शो आईफा 2025 इस बार राजस्थान के जयपुर में 8 और 9 मार्च को आयोजित किया गया। इस ग्रैंड इवेंट में शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, करीना कपूर, शाहिद कपूर और कार्तिक आर्यन जैसे कई बड़े सितारे शामिल हुए। वहीं, अपनी अतरंगी फैशन स्टाइल के लिए मशहूर उर्फी जावेद भी इस खास रात का हिस्सा बनीं। उर्फी जावेद ने इस इवेंट के लिए ब्लैक कलर की यूनिक आउटफिट कैरी की थी, जिसमें वह ग्रीन कारपेट पर पहुंचीं और जमकर पोज दिए। हमेशा की तरह, उर्फी अपने अलग अंदाज और बोल्ड लुक की वजह से सभी की नजरों में बनी रहीं। जब उर्फी कैमरे के सामने पोज दे रही थीं, तभी एक पैपराजी ने मजाक में उन्हें चमगादड़ कह दिया। यह सुनते ही उर्फी को गुस्सा आ गया और उन्होंने तुरंत जवाब दिया। हालांकि, कुछ ही पलों में उन्होंने इस बात को इग्नोर किया और फिर से पोज देने लगीं। लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। जैसे ही पैपराजी ने मजाक में कहा, उड़ जाओ, उड़ जाओ..., उर्फी ने अपने हील्स दिखाते हुए मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, बस निकलने ही वाली है। इस पूरी बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग इस पर तरह–तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। उर्फी का यह वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है और सोशल मीडिया यूजर्स भी इस पर दिलचस्प कमेंट कर रहे हैं। कुछ लोगों ने उर्फी की तारीफ की, जबकि कुछ ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, श्अरे, ये कुछ भी पहन लेती है।, तो दूसरे ने कहा, पता नहीं क्या–क्या देखना पड़ रहा है। वहीं, कई फैंस ने उर्फी के कॉनफिडेंस और स्टाइल की तारीफ भी की। बता दें कि उर्फी जावेद टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस और सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। उन्होंने कई टीवी शोज में काम किया है और हाल ही में वे वेब सीरीज फॉलो कर लो यार में भी नजर आई थीं। इस सीरीज में उनके काम को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। चाहे उनका फैशन हो या बेबाक अंदाज, उर्फी जावेद हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। इस बार भी उनका अवॉर्ड शो आईफा 2025 का लुक और पैपराजी संग हुई मजेदार बातचीत खूब चर्चा में है। अब फैंस को इंतजार है कि उर्फी आगे कौन–सा नया फैशन ट्रेंड सेट करेंगी।

पंजाबी सिंगर के साथ हुई धोखाधड़ी, म्यूजिक प्रोड्यूसर गिरफ्तार

पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। उन्होंने म्यूजिक कंपनी के एक प्रोड्यूसर पर आरोप लगाया था कि वह उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर रहा है और उनकी बकाया राशि का भुगतान नहीं कर रहा। इस मामले में पंजाब पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सुनंदा शर्मा, जो बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के शो 'बिग बॉस' में अपनी शानदार परफॉर्मेंस दे चुकी हैं, ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि कुछ लोग और कंपनियां झूठे दावे कर रही हैं कि उनके बिजनेस अनुबंधों पर उनका विशेष अधिकार है। सुनंदा ने साफ किया कि वह एक स्वतंत्र कलाकार हैं और किसी भी लेन–देन के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने अपने प्रशंसकों और बिजनेस पार्टनर्स को सतर्क रहने के लिए कहा ताकि वे किसी भी तरह की ठगी का शिकार न हों।सुनंदा की इस पोस्ट के बाद पंजाब राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष राज लाली गिल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद मठारू थाने की पुलिस ने म्यूजिक प्रोड्यूसर पिंकी धालीवाल के खिलाफ थ्त दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि पिंकी धालीवाल ने सुनंदा शर्मा को जबरन अपनी म्यूजिक कंपनी से जोड़े रखा और उनका बकाया भुगतान भी नहीं किया। सुनंदा को अनुबंध की आड़ में कंपनी से बाहर नहीं जाने दिया जा रहा था, जिससे उनका करियर प्रभावित हो रहा था। इस पूरे घटनाक्रम के बाद सुनंदा शर्मा ने अपने फैंस और व्यापारिक सहयोगियों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जो भी उनके नाम का गलत इस्तेमाल करेगा या झूठे दावे करेगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह मामला पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री में कलाकारों के अधिकारों और म्यूजिक कंपनियों की पारदर्शिता को लेकर एक नई बहस को पैदा कर रहा है।

भारत में होली का जश्न मनाने के लिए बेहतरीन जगहें, जानें यात्रा की पूरी गाइड

रंगों का त्योहार होली बस आने ही वाला है। इस साल यह त्यौहार 14 मार्च को मनाया जाएगा। इस खास मौके के लिए बस कुछ ही दिन बचे हैं, लोग अभी से ही मौज–मस्ती करने के लिए सबसे अच्छी जगहों की तलाश शुरू कर रहे हैं। अगर आप भी होली मनाने की योजना बना रहे हैं, लेकिन उलझन में हैं कि कहां जाकर होली मनाएं, तो चिंता न करें, हम आपकी मदद के लिए मौजूद हैं। आइए आपको बताते हैं आप इन जगहों पर कैसे पहुंचें। वृंदावन को भगवान कृष्ण की पवित्र जन्मभूमि माना जाता है। इसे होली मनाने के लिए सबसे फेमस स्थानों में से एक माना जाता है। यह शहर सबसे बेहतरीन होली अनुभव प्रदान करता है, यहां पर लोग सड़कों पर नृत्य करते हैं और एक साथ भक्ति गीत गाते हैं मिल जाएंगे।

दिल्ली से वृंदावन कैसे पहुंचें?

–ट्रेन सेरू वृंदावन पहुंचने का सबसे आसान और किफ़ायती तरीका ट्रेन से जाना है। दिल्ली के हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन या नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से मथुरा जंक्शन तक कुछ ट्रेनें चलती हैं, जो मुख्य शहर से लगभग 15 किमी दूर है। मथुरा से, आप वृंदावन पहुंचने के लिए टैक्सी या स्थानीय बस ले सकते हैं। यात्रा में लगभग 2 से 3 घंटे लगते हैं। कई ट्रेन विकल्प हैं, जिनमें से कोई भी चुन सकता है, प्रत्येक का किराया 180 रुपये से 800 रुपये के बीच है।

– बस के द्वारारू वृंदावन के लिए बसें दिल्ली के विभिन्न स्थानों से रवाना होती हैं, जिनमें कश्मीरी गेट आईएसबीटी और आनंद विहार बस टर्मिनल शामिल हैं। इच्छुक लोग निजी और सरकारी दोनों तरह की बसों से यात्रा कर सकते हैं। ट्रैफ़िक की स्थिति के आधार पर यात्रा में लगभग 3 से 4 घंटे लगेंगे। बस ऑपरेटर और यात्रा के समय के आधार पर किराया 240 रुपये से 500 रुपये तक होगा।

वाराणसी

वाराणसी अपने घाटों और गंगा आरती के लिए ज़्यादा मशहूर है, लेकिन होली का अनुभव भी अनोखा होता है। सबसे रोमांचक उत्सव गंगा के किनारे घाटों पर होता है, जहां दुनिया भर के लोग एक साथ आते हैं और दिन का आनंद लेते हैं।

दिल्ली से वाराणसी कैसे पहुंचें?

– ट्रेन सेरू दिल्ली–वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस या शताब्दी एक्सप्रेस वाराणसी जाने वाले यात्रियों के लिए लोकप्रिय विकल्प हैं। ये ट्रेनें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से रवाना होती हैं और लगभग 12 से 14 घंटे में वाराणसी जंक्शन पहुँचती हैं, जिससे यह एक आरामदायक रात भर की यात्रा बन जाती है।

– बस द्वारारू हालांकि वाराणसी दिल्ली से काफी दूर है (लगभग 800 किमी), आप लंबी दूरी की बस यात्रा का विकल्प भी चुन सकते हैं। बसें कश्मीरी गेट आईएसबीटी और आनंद विहार बस टर्मिनल से चलती हैं। सड़क की स्थिति के आधार पर यात्रा में 14 से 16 घंटे लग सकते हैं। आपको यहां से 540 से 1400 रुपये बस किराया लगेगा।

पुष्कर

राजस्थान राज्य में स्थित पुष्कर न केवल अपनी मनमोहक झील के नजारों और ऊंट मेले के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि अपने अनोखे होली इवेंट के लिए भी जाना जाता है। होली की मस्ती, सड़कों पर रंगों की होली और बहुत कुछ के कारण इस जगह पर बड़ी संख्या में लोग आते हैं।

दिल्ली से पुष्कर कैसे पहुंचें?

– ट्रेन सेरू ट्रेन से पुष्कर पहुंचने के लिए, आप नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से अजमेर जंक्शन तक ट्रेन से जा सकते हैं, जिसमें लगभग 6 से 7 घंटे लगते हैं। अजमेर से पुष्कर लगभग 15 किलोमीटर दूर है। इच्छुक लोग शहर तक पहुंचने के लिए टैक्सी या बस ले सकते हैं, जिसमें कम से कम 30 मिनट लगेंगे।

– बस सेरू पुष्कर के लिए बसें दिल्ली के कश्मीरी गेट आईएसबीटी और आनंद विहार बस टर्मिनल से भी चलती हैं। सड़क की स्थिति और ट्रैफ़िक के आधार पर पुष्कर तक बस यात्रा में लगभग 10 से 12 घंटे लगते हैं। बस और ट्रेन के प्रकार के आधार पर, दोनों परिवहन 700 रुपये से 5,000 रुपये के बीच की कीमत में कवर किए जा सकते हैं।

होली के रंगों से रंगी बर्फ की चुस्की

एक तो होली का रंगारंग मूड, और दूसरा आने वाली गर्मियों की दस्तक की सौगात की खासमखास मिसाल बर्फ की चुस्की से बढ़ कर कुछ हो नहीं सकता। कोई चुस्की कहता है, तो कहीं बर्फ का गोला कहलाता है, और कोई स्नो कोन भी। तीले या आइसक्रीम स्टिक पर रैंदे पर बर्फ की सिल्ली घिस– घिस कर निकाला बर्फ का चूरा जमा कर, ऊपर रोज, खस, संतरा जैसे अलग– अलग मनमर्जी के फ्लेवर्स के शरबत सिरप डाल कर चुस्की बनाते हैं। नीबू और मसाला भी डालने से स्वाद बढ़ जाता है। चूस– चूस कर खाते हैं, बर्फीला स्वाद मुंह में तैरने लगता है। चुस्की शब्द चस्का से बना है। हर घूंट को हौले– हौले मजे ले–ले कर पीना ही चुस्की है। चूस–चूस कर खाने के भाव को भी चुस्की कहते हैं। लू वाली गर्मियों में तो चुस्की सूखते होंठों को बहुत राहत देती है। अगर बर्फ साफ पानी से बनी है, और रंग– बिरंगे शरबतों में कोई रसायन नहीं मिलाया गया, तो यह कमाल की रिफ्रेशिंग होती है। होली के हुड़दंग से शुरू गर्मियों में सेहत के नफा– नुकसान को नजरअंदाज करके मजे लेने में कोई हर्ज भी नहीं है। दिल्ली का सबसे पुराना मशहूर चुस्की वाला 1981 से उत्तरी दिल्ली के कमला नगर की बेंग्लो रोड के बीचोंबीच बिंदल चौक पर है। केसर, चंदन, इलायची वगैरह कुछ हट कर फ्लेवर्स की चुस्कियां बनाने–खिलाने का श्रेय इन्हें ही जाता है। काला खट्टा और खट्टा मीठा पर मसाला छिड़क व नीबू निचौड़ कर खिलाने का चलन यहीं शुरू हुआ बताते हैं। इससे 5 साल बाद उतरा इंडिया गेट के नजदीक मान सिंह रोड पर मस्जिद के बगल में फुटपॉथ पर एक जगमग कार्ट 1986 से चुस्कियों का दीवाना किए है। रोज, खस और ऑरेंज फ्लेवर्स तो हैं ही, इनके पास काला– खट्टा और खट्टा–मीठा चुस्कियों के बीच काला– खट्टा में शुगर फ्री भी हाजिर है। उधर दक्षिण दिल्ली के ग्रीन पार्क की मेन मार्केट में एक स्टॉल रोज, लेमन, अनानास, आम, लीची समेत 15–18 फ्लेवर्स की चुस्कियां खिला–खिला कर 1999 से रिझा रहा है। जामुन और फालसा के शरबत सिरप से बनी काला खट्टा चुस्की। बनाने का तरीकघ ठेठ मुंबइया है।दिल्ली में रबड़ी चुस्की भी मिलती है। रोहिणी के सेक्टर 6 और 7 की डिवाइडर रोड स्थित सर्वोदय स्कूल के सामने गली में एक दुकान पर ऑरेंज खट्टा, नीबू, काला खट्टा समेत। बर्फ के गोले पर रूहआफजा और ऑरेंज स्क्वेश डाल, ऊपर काजू– बादाम वाली रबड़ी की टॉपिंग कर पेश करते हैं।तपती लू के दिनों में रोज, खस, संतरा, काला– खट्टा वगैरह तमाम फ्लेवर्स की बर्फ की चुस्की होठों को छूते ही कमाल की राहत देती है। तीले में जुड़ी चुस्की या गोले से हट कर है कोलकाता की चुस्की। होती बगैर तीले की है और कुल्हड़ में दी जाती है। खाने के लिए चम्मच और पीने के लिए स्ट्रा। बर्फ के चूरे पर रोज, खस और काला खट्टा शरबत, फिर नीबू निचौड़ते हैं और मसाला छिड़क कर सर्व करते हैं। बर्फ हौले– हौले पिघलती रहती है और चिल्ड गाढ़ा शरबत पीते जाते हैं। वहीं डिस्पोजेबल गिलास में रंगबिरंगे शरबतों से सजी बर्फीले– रसीले शरबत में डुबो– डुबो और चूस–चूस कर खाते हैं मुम्बइया चुस्की। रोज, लेमन, पाइनएपल, आम, संतरा, खस, इलायची, लीची, खट्टा–मीठा वगैरह करीब 15 फ्लेवर्स के बीच काला–खट्टा के शैदाई ज्यादा हैं। काला–खट्टा का शरबत जामुन और फालसे से बनाते हैं। सफेद व काला नमक, काली मिर्च, पुदीना, आजवाइन, सौंफ, जीरा वगैरह को भून–पीस कर मसाला भी खुद ही बनाते हैं। फिर बर्फीले सिरप भरे गिलास में बर्फ गोला बना कर डालते हैं। अब तो चुस्की नए अवतार 'स्नो कोन' में भी उतर आई है। स्टील का फ्रिज होता है, बगल में बर्फ का चूरा करने के पारंपरिक रैंदे की बजाय आइस क्रशर (बर्फ चूरा करने की मशीन) और लाइन से रखी बोतलों में अलग– अलग फूलों– फलों के मॉकटेल सिरप भी। आइस कोन खघसतौर से बनवाए स्टाइलिश डिस्पोजेबल कोन में पेश करते हैं। पहले कोन में टिन फ्रूट डालते हैं, फिर पसंद का फ्लेवर सिरप और टैंगो– लाल मिर्च का खास मसाला और ऊपर से आइस क्यूब को चूरा करके बनाया बर्फ का गोला। इस पर खाने वाले का पसंदीदा मॉकटेल सिरप छिड़क कर देते हैं। तीन स्वाद टाइगर ब्लड (रोज), ग्लैक्सी ब्लास्ट (पुदीना) और ट्रोपिकल स्ट्रिस (ऑरेंज) वाला ट्रैफिक लाइट कोन सबसे खास है। दो साल पहले पारम्परिक चुस्की को नए रूप में बनाने– खिलाने की शुरुआत एक युवा शेफ ने साफ– सुथरे कार्टों से की है। चुस्की या बर्फ के गोले को ठेठ देसी मानते हैं, हालांकि यह कई देशों में फैली है। उत्तरी अमेरिका में स्नो बॉल कहलाती है, तो जापान के स्नो कोन में मोटे और कुरकुरे पिसी हुई बर्फ होती है। टेक्सास और उत्तरी मेक्सिको में रास्पा कहा जाता है। टेक्सास में तो स्नो कोन 1919 से लोकप्रिय है। इसमें नींबू रस और मिर्च पाउडर छिड़कते हैं। जापान में इसका नाम काकीगोरी हो जाता है, जबकि सिंगापुर और मलेशिया में आइस काकांग। बर्फ के चूरे पर फलों के सिरप के साथ कटे फल भी डाल कर देते हैं। अमेरिका में इसे शेव आइस कहा जाता है। चुस्की आसानी से घर में भी बना सकते हैं। दो–चार जनों के लिए बनाने के लिए सामग्री चाहिए–आइस क्यूब 20, रूहआफजा, खस सिरप व ऑरेंज स्क्वैश 5–5 चम्मच, नीबू 1, काला नमक आधा चम्मच, आइसक्रीम स्टिक 4, गोला बनाने के लिए छोटा गिलास (स्टील का हो तो बेहतर है) सारा सामान इकट्ठा करने के बाद बनाने के लिए पहले आइस क्यूब को ग्राइंडर जार में डाल कर क्रश करें। यानी चूरा बनाएं। गिलास में बर्फ का चूरा डालें, आइसक्रीम स्टिक बीच में फंसा दें। फिर इसमें और बर्फ डाल– डाल कर दबाते रहें। अब स्टिक को हल्के से घुमाते हुए गिलास से निकाल लें। इस पर रूहआफजा, खस और ऑरेंज अपनी–अपनी मर्जी के शर्बत सिरप डालें। चाहें, तो काला नमक छिड़क कर, नीबू रस की कुछ बूंदे भी डाल सकते हैं। बड़े बॉउल में रख कर, फटाफट सर्व करें।

होली पर मेहमानों को खिलाएं रसभरी चंद्रकला गुजिया, नोट करें आसान विधि

रंगों का त्योहार होली में उत्साह के साथ स्वादिष्ट व्यंजनों के जरुर चखा जाता है। होली का फेस्टिवल चटपटे और टेस्टी व्यंजनों के बिना अधूरा है। केसर और सुगंधित मसालों से भरपूर ताजगी भरी ठंडाई से लेकर खोया और मेवे से भरी कुरकुरी, मीठी गुजिया तक, हर निवाला खुशी देता है। होली का त्योहार गुजिया के बिना अधूरा लगता है। इसलिए हम आपके लिए लेकर आएं ट्रेडिशनल खोवे और ड्राई फ्रूट्स से भरी हुई चंद्रकला गुजिया की रेसिपी। इसे बनाना काफी आसान होता है। आइए आपको चंद्रकला गुजिया की विधि बताते हैं।

चंद्रकला गुजिया बनाने की सामग्री

– 2 कप मैदा
– आधा कप देसी घी
– स्टफिंग के लिए खोया और मावा – 100 ग्राम
– पिसी चीनी आधा कप
– सूजी दो चम्मच
– नारियल एक चौथाई कद्दूकस किया हुआ
– काजू 10–12
– चिरौंजी 2 चम्मच
– इलायची पाउडर 2 चम्मच
– चीनी दो कप चाश्नी के लिए
– घी या तेल तलने के लिए

चंद्रकला गुजिया बनाने की रेसिपी

– इसे बनाने के लिए पहले गुजिया का आटा गूंथ लें। मैदा में एक चौथाई कप धी डालकर अच्छे मिक्स कर लें। अब पानी डालकर आटा को गूंथ लें।

– स्टफिंग तैयार करने के लिए पहले खोया को कड़ाही में घी डालकर भून लीजिए। जब यह हल्का ब्राउन हो जाए तो गैस बंद कर दें।

– अब किसी बर्तन में मावे को ठंडा करने के लिए रख दें। इसके बाद आप सूजी को घी डालकर भून लें और यह गोल्डन ब्राउन हो जाएं तो इसे आखिर में खोया के साथ मिला दें।

– जब मिश्रण ठंडा हो जाए, तो इसमें काजू, चिरौंजी, किशमिश, इलायची पाउडर और पीसी चीनी डालकर अच्छे से हाथों से मिला लें।

– इसके बाद आप तीन–चार इंच की गोलाई में पूड़िया बेलें और उसमें स्टाफिंग को फिल करके दूसरी पूड़ी को रखें। अब मैदे का गाढ़ा घोल बनाकर रखें, इस घोल को पूड़ी के किनारों पर लगाएं और अच्छे तरह से दबाकर बंद कर दें। जिससे स्टाफिंग बाहर ना निकलें।

– फिर आप कांटे की मदद से किनारों पर हल्के निशान बना दें। जो गुजिया जैसी डिजाइन लगे। अब सारी गुजिया इसी तरह से तैयार कर लें।

– लास्ट में कड़ाही में पर्याप्त मात्रा में देसी घी डाले और गर्म करें। फिर माध्यम आंच पर एक बार में दो–तीन गुजिया डालकर और ब्राउन होने तक तलें। सारी गुजिया तलकर साइड में रख लीजिए।

– फिर आप एक पैन में चीनी और पानी डालकर चाश्नी तैयार करें। चाश्नी दो तार की बननी चाहिए। इसे चेक करने के लिए आप चीनी और पानी घुलकर दो मिनट पक जाए, तो किसी बर्तन में चाश्नी टपकाकर चेक कर सकते हैं। उंगली के पोर में चाश्नी को दबाने से दो तार बनें तो गैस को बंद कर दें।

– आखिर में इस चाश्नी में गुजिया डालें और निकालकर किसी प्लेट में रख दें। यह लीजिए तैयार है आपकी चंद्रकला गुजिया।

मानसून में अपने चरम पर होती है पारसनाथ पहाड़ी की खूबसूरती, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

भारत के पूर्वी हिस्से में स्थित झारखंड देश का खूबसूरत और शानदार राज्य है। साल 2008 में इस राज्य का गठन हुआ था। यह देश का एक ऐसा राज्य है, जिसको जंगलों का घर माना जाता है। यह राज्य चित्रकला, परंपराओं, जनजातीय संस्कृति और अलग–अलग त्योहारों के लिए फेमस है। झारखंड में ऐसी कई शानदार और बेहतरीन जगहें हैं, जहां हर महीने हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। झारखंड में शिव नगरी के नाम से देवघर फेमस है। इसके अलावा राज्य की पारसनाथ पहाड़ी भी ऐसी जगह है, जो काफी खूबसूरत और धार्मिक महत्व वाली है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पारसनाथ पहाड़ी की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही इसके आसपास मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में भी जानेंगे।

पारसनाथ पहाड़ी

पारसनाथ पहाड़ी झारखंड के गिरिडीह जिले के मधुबन में स्थित है। यह झारखंड के सबसे प्रमुख स्थानों में से एक है। गिरिडीह जिला धार्मिक और ऐतिहासिक होने के साथ बेहद खूबसूरत है। यह पहाड़ी झारखंड की राजधानी रांची से 164 किमी दूर है। पारसनाथ पहाड़ी धनबाद से करीब 82 किमी दूर और बोकारो से करीब 86 किमी दूर स्थित है।

धार्मिक महत्व

पारसनाथ पहाड़ी अपने धार्मिक महत्व के लिए भी फेमस है। बताया जाता है कि इस पहाड़ी का रिश्ता जैन तीर्थंकरों से जुड़ा हुआ है। धार्मिक मान्यता है कि यह पहाड़ी जैन धर्मावलम्बियों के लिए विश्व में फेमस तीर्थ स्थल है। इस पहाड़ी का नाम 23वें जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ के नाम पर रखा गया है। इस पहाड़ी को लेकर मान्यता है कि कई साधु संतों सहित कई जैन तीर्थंकरों ने मोक्ष प्राप्त किया था। लोगों का मानना है कि इस पहाड़ी पर 24 जैन तीर्थंकरों ने मोक्ष प्राप्त किया था। इसलिए हर महीने हजारों की संख्या में जैन भक्त दर्शन के लिए आते हैं।

इस पहाड़ी की खासियत

बता दें कि इस पहाड़ी को गिरिडीह जिले में स्थित पहाड़ियों की एक श्रृंखला है। पारसनाथ शहर का सबसे ऊंचा पहाड़ माना जाता है। इसकी ऊंचाई समुद्र तल से करीब 1 हजार मीर से ज्यादा है। बताया जाता है कि इस शिखर की ऊंचाई तक पहुंचने के लिए करीब 8–10 किमी पैदल चलना पड़ता है। लेकिन यह बहुत कठिन और दुर्गम स्थान है। इस पहाड़ी के आखिरी बिंदु तक पहुंचने के लिए पालकी का भी सहारा लेते हैं। क्योंकि खड़ी और सीधी ढाल के जरिए पारसनाथ पहाड़ी चढ़ना कई लोगों के लिए बिल्कुल भी आसान नहीं होता है।

क्यों खास है पारसनाथ पहाड़ी

पारसनाथ पहाड़ी सिर्फ धार्मिक वजह से नहीं बल्कि अपनी खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। इस पहाड़ी को प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के समान माना जाता है। इस पहाड़ी की ऊंचाई से आपको अपने चारों ओर हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। यह जगह एडवेंचर के लिए भी काफी फेमस है। ऐसे में जो लोग घुमक्कड़ ट्रैकिंग और हाईकिंग करना पसंद करते हैं, वो यहां जरूर पहुंचते हैं। कई लोग यहां पर ट्रैकिंग और फोटोग्राफी करना भी पसंद करते हैं। मानसून के दौरान पारसनाथ पहाड़ी की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

संक्षिप्त

होली से पहले सोने-चांदी की कीमत में आया बदलाव, 10 ग्राम गोल्ड खरीदने के लिए लगेंगे इतने रुपये

त्योहारों के दौरान सोना और चांदी की कीमत में काफी बदलाव होने लगता है। सोने और चांदी की कीमत इस समय भी तेजी आने लग रही है। होली के दौरान भी सोने की कीमत में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। होली से पहले सोने और चांदी की कीमत भी बदल गई है। अब इन मेटल्स को खरीदने के लिए अधिक पैसा खर्च करना होगा। दिल्ली में सोने की कीमट भी बढ़ गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना अब 86,220 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में 24 कैरेट सोना 86,100 रुपये, 86,220 रुपये और 86,470 रुपये प्रति 10 ग्राम क्रमशरू मिल रहा है। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों के ताजा सौदों की लिवाली से सोमवार को वायदा कारोबार में सोना 23 रुपये बढ़कर 85,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अप्रैल डिलीवरी वाले अनुबंधों में सोने का भाव 23 रुपये या 0.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 85,900 रुपये प्रति 10 ग्राम था। इसमें 15,094 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि प्रतिभागियों के ताजा सौदे करने से सोने की कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना वायदा मामूली रूप से 0.02 प्रतिशत घटकर 2,908.46 डॉलर प्रति औंस पर था। चांदी की कीमत 10 मार्च को 97,600 प्रति किलोग्राम रही है। दिल्ली में चांदी की कीमत प्रति 10 ग्राम 973.7 रुपये, चेन्नई में 978.2 रुपये प्रति 10 ग्राम है।

पेट्रोल-डीजल की नई कीमत जानकर चौंक जाएंगे, इतने रुपये में मिलेगा एक लीटर पेट्रोल

भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमत रोजाना बदलती रहती है। भारत में फ्यूल की ये कीमत डायनामिक प्राइसिंग के कारण बदलती है। भारत में डायनामिक प्राइसिंग को वर्ष 2017 में लागू किया गया था। इस डायनामिक प्राइसिंग के कारण रोजाना पेट्रोल और डीजल की कीमत बदलती रहती है। इसकी कीमत रोजाना रिवाइज होती है। भारत में रोज सुबह पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव होता है। इसकी

कीमत अपडेट होती है। सरकारी तेल कंपनियां भी पेट्रोल और डीजल की कीमत जारी कर चुकी है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस की मानें तो दिल्ली के अलावा अन्य मेट्रो शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव देखने को मिला है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की कीमत 87.67 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है। मुंबई में एक लीटर पेट्रोल खरीदने के लिए 103.50 रुपये और डीजल 90.03 रुपये खरीदने होंगे। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 105.01 रुपये और डीजल 91.82 रुपये पर पहुंच गई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.76 रुपये और डीजल 92.39 प्रति लीटर पहुंच गई है। भारत में, केंद्र सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा ईंधन करों में कटौती के बाद मई 2022 से ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल विपणन कंपनियाँ (व्डब) वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के आधार पर प्रतिदिन सुबह 6 बजे ईंधन की कीमतों में संशोधन करती हैं। सरकार उत्पाद शुल्क, आधार मूल्य निर्धारण और मूल्य सीमा जैसे तंत्रों के माध्यम से इन कीमतों को नियंत्रित करती है।

होली 2025 के दौरान अर्थव्यवस्था को मिलेगी तेजी, इतने करोड़ों रुपये का हो सकता है उद्योग

होली का त्योहार कुछ ही दिनों में आने वाला है। होली के मौके पर देश भर में काफी अधिक अर्थव्यवस्था बढ़ सकती है। इस साल होली के त्योहार पर 60,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हो सकता है। ये आंकड़ा कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने साझा किया है। कैट के मुताबिक बीते वर्ष होली के मौके पर 50,000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था। आंकड़ों के मुताबिक इस बार 20 फीसदी अधिक कारोबार हो सकता है। सिर्फ दिल्ली में ही आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हो सकता है।

बाजार में है इसकी मांग

देश भर में बाजार में इन दिनों होली से संबंधित सामान की मांग में इजाफा हो रहा है। बाजार में हर्बल गुलाल, पिचकारी, गुब्बारे, मिठाइयां, सूखे मेवे, कपड़े, विग आदि की जमकर मांग हो रही है। अब लोग भारत में बने उत्पादों का अधिक उपयोग करना चाहते है। ऐसे में भारत में बने उत्पादों का बाजर बढ़ रहा है और व्यापार को बढ़ावा भी मिल रहा है। बाजार में इन दिनों होली खेलने के लिए अलग अलग टैगलाइन के साथ कई टीशर्ट मिल रही है, जो लोग खासतौर से होली खेलने के लिए उपयोग में ला रहे है। सफेद टीशर्ट, कुर्ता पायजामा, सलवार सूट आदि की काफी अधिक मांग होने लगी है। होली के मौके पर अब काफी बड़े स्तर पर लोग शहरों में सेलिब्रेशन करने लगे है। होली मनाने के लिए बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस, होटल और पार्क भी बुक किए जा रहे है। एबीपी न्यूज के मुताबिक दिल्ली में होली के लिए 3000 से अधिक होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ है। इसके लिए खास वेन्यू बुक कराए जा रहे है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हारने के बाद टीम को बड़ा टूर्नामेंट जिताना चाहता था, जीत के बाद भावुक हुए कोहली

दुबई। चौंपियन बल्लेबाज विराट कोहली ने चौंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रविवार को कहा कि उनका काम सिर्फ आईसीसी ट्रॉफियां जीतना ही नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि जब वह खेल को अलविदा कहें तो भारतीय क्रिकेट बेहतर स्थिति में हो। भारत ने रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड को छह गेंद रहते चार विकेट से हराया।

छोड़कर जाएं तो टीम बेहतर स्थिति में हो

कोहली ने फाइनल के बाद कहा, श्हम चाहते हैं कि जब हम टीम छोड़कर जाएं तो टीम बेहतर स्थिति में हो। मुझे लगता है कि हमारे पास ऐसी टीम है जो अगले आठ साल तक दुनिया की किसी भी टीम का सामना करने के लिए तैयार है।श कोहली फाइनल में एक ही रन बना सके, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ उनका विजयी शतक और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में अर्धशतक अहम था। कोहली ने कहा, श्यह अद्भुत है। हम ऑस्ट्रेलिया के कठिन दौरे के बाद वापसी करना चाहते थे और बड़ा टूर्नामेंट जीतना चाहते थे। चौंपियंस ट्रॉफी की जीत अद्भुत है।श शुभमन गिल के साथ खड़े कोहली ने कहा कि टीम के सीनियर खिलाड़ी होने के नाते उनका फोकस अगली पीढ़ी को तैयार करने पर भी है।

हमारे ड्रेसिंग रूम में काफी प्रतिभा है

उन्होंने कहा, श्ड्रेसिंग रूम में इतनी प्रतिभा है और वे अपने खेल को अगले स्तर तक ले जाने की कोशिश में हैं। हम सीनियर होने के नाते उनके साथ अनुभव बांटकर, उनकी मदद करके खुश हैं और यही वजह है कि भारतीय टीम इतनी मजबूत है।श उन्होंने खिताबी जीत को टीम प्रयासों का नतीजा बताते हुए कहा कि पूरी टीम और सभी ने अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अभ्यास सत्रों में खिलाड़ियों ने काफी मेहनत की है। विराट ने कहा कि शुभमन, श्रेयस, केएल , हार्दिक सभी ने शानदार प्रदर्शन किया।

श्सभी ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया हैश

कोहली को यह पसंद आया कि फाइनल लंबा चला। उन्होंने

कहा, ये वो चीजें हैं जो आप (खिताब के लिए) चाहते हैं। दबाव में खेलना और हमेशा उसमें योगदान देना। कोहली खुश थे कि खिताब जीतना एक शानदार टीम प्रयास था। उन्होंने कहा, श्पूरी टीम, सभी ने कभी न कभी (टूर्नामेंट के दौरान) योगदान दिया है, सभी ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। हम एक अद्भुत टीम का हिस्सा रहे हैं। अभ्यास सत्रों में हमने जितना काम किया है, इसके बाद जीतना बहुत अच्छा लगता है। शुभमन ने शानदार प्रदर्शन किया है, श्रेयस ने कुछ बेहतरीन पारियां खेली हैं, केएल ने मैच को फिनिश किया है और हार्दिक ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है।

कोहली ने न्यूजीलैंड की तारीफ की

कोहली न्यूजीलैंड की टीम की तारीफ करना भी नहीं भूले। उन्होंने कहा कि कीवियों ने काफी संघर्ष किया है और वह भी तारीफ के हकदार हैं। उन्होंने कहा, श्हम हमेशा से ही इस बात से वाकिफ रहे हैं कि वह हमें चौंका सकते हैं। उनके पास प्रतिभावान खिलाड़ियों की संख्या सीमित है, लेकिन वे अपनी योजनाओं को इतनी अच्छी तरह से अंजाम देते हैं, वे ऐसा क्रिकेट खेलते रहते हैं जो उन्हें खेल में बनाए रखता है।

विलियम्सन को लेकर बोले कोहली

कोहली ने कहा, श्न्यूजीलैंड की टीम हमेशा अपने गेंदबाजों का समर्थन करती रहती है। इसका श्रेय उन्हें जाता है, वे निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ फील्डिंग टीम हैं। मेरे एक बहुत अच्छे दोस्त (केन विलियमसन) को हारने वाली टीम में देखना दुखद है, लेकिन वे हमेशा बहुत अच्छे रहे हैं और वे बुनियादी बातों को अच्छी तरह से करते रहे हैं। यही बात उन्हें इतनी प्रतिस्पर्धी टीम बनाती है।

फाइनल गंवाने के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर का बड़ा खुलासा, रोहित शर्मा से डरे थे कीवी खिलाड़ी

न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी बल्ले से बेखौफ अंदाज दिखाया। रोहित ने इस मैच में 41 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया था और 76 रन की पारी खेली। इस टूर्नामेंट में रोहित की पिछली पारी और फाइनल की इनिंग में फर्क में था कि कप्तान रोहित इस बार अलग इरादे के साथ खेलते हुए नजर आए। रोहित ने सिर्फ अपना दृष्टिकोण बदला और भारत के लिए मैच जिताऊ पारी खेलने में सफल रहे जिसकी जरूरत टीम को सबसे ज्यादा थी। रोहित की पारी से ही टीम इंडिया को मजबूत स्टार्ट मिला और जीत का आधार भी मिला। भारत के फाइनल जीतने के बाद विरोधी कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की और ये भी बताया कि आखिर क्यों उनके गेंदबाजों में रोहित को लेकर खौफ था। कीवी कप्तान ने कहा कि रोहित का दृष्टिकोण कुछ मौकों पर विफल हो सकता है, लेकिन बड़े मैचों में ये निर्णायक साबित हो सकता है। सैंटनर को लगता है कि रोहित के दृष्टिकोण ने उन्हें सुरुआत में ही बैकफुट पर ला दिया। सैंटनर ने कहा कि मुझे लगता है कि अगर आप टूर्नामेंट से पहले रोहित से पूछेंगे कि वह किस मैच में सबसे ज्यादा रन बनाना चाहेंगे, तो शायद वह फाइनल होगा, लेकिन मुझे लगता है कि उनका दृष्टिकोण गेंदबाजों में डल पैदा करता है। वे स्वभाव से आक्रामक हैं और मुझे लगता है कि वह और शुभमन गिल अच्छी तरह से तालमेल बिठाते हैं। शुभमन गिल खराब गेंद का इंतजार करेंगे, लेकिन रोहित गेंदबाजों को उनती लेंथ से ही खेलकर खुश होते हैं। वो इंतजार नहीं करते और इसका खौफ हमारी टीम के गेंदबाजों में भी था। सैंटनर ने आगे कहा कि, मुझे लगता है कि रोहित जिस तरह से खेलते हैं उसके बाद आप कुछ बार असफल हो सकते हैं लेकिन जैसा कि उन्होंने फाइनल में हमारे खिलाफ किया खास तौर पर इस तरह की स्लो विकेट पर कमाल था। अगर आप अपनी टीम को इस तरह की शुरुआत देते हैं तो फिर आप मैच में खुद को आगे रख सकते हैं। आप देखों तो पावरप्ले के दौरान उनकी बल्लेबाजी बेहतरीन थी और हम वहां से ही बैकफुट पर आ गए। उन्होंने पूरी तरह से खेल को बदलकर रख दिया।

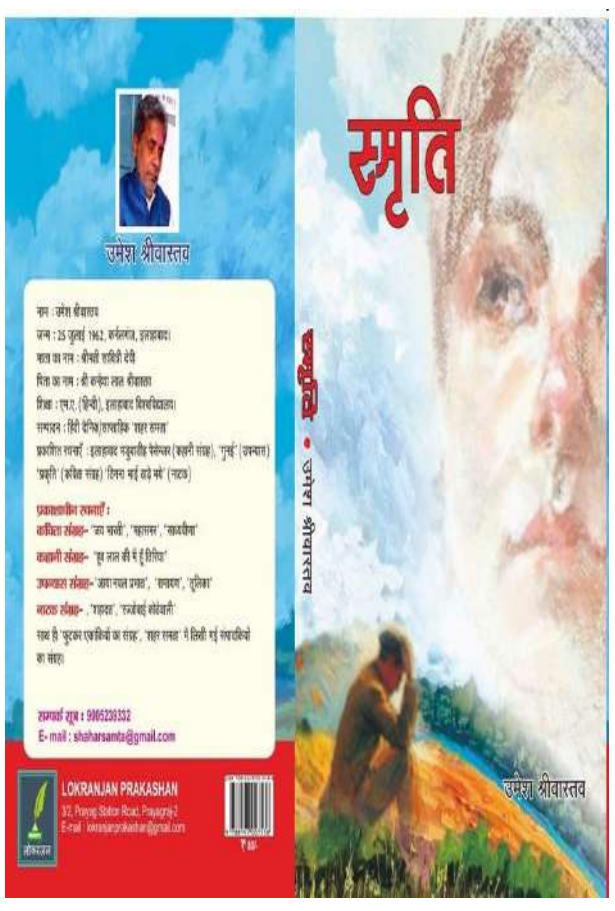

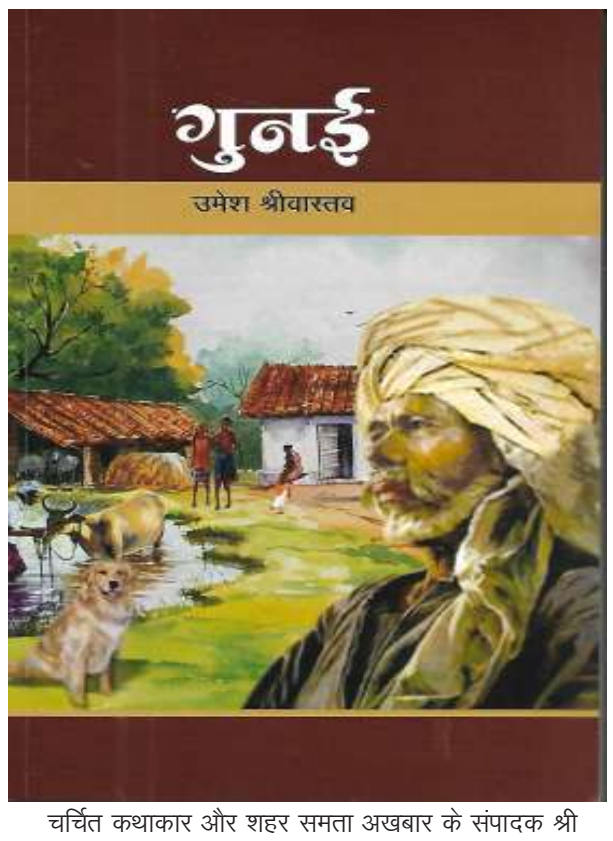

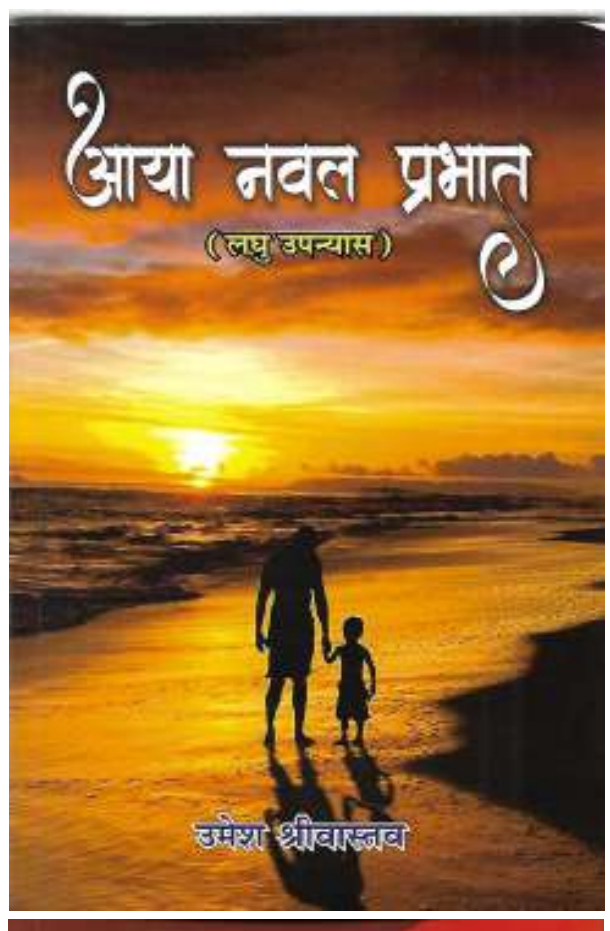

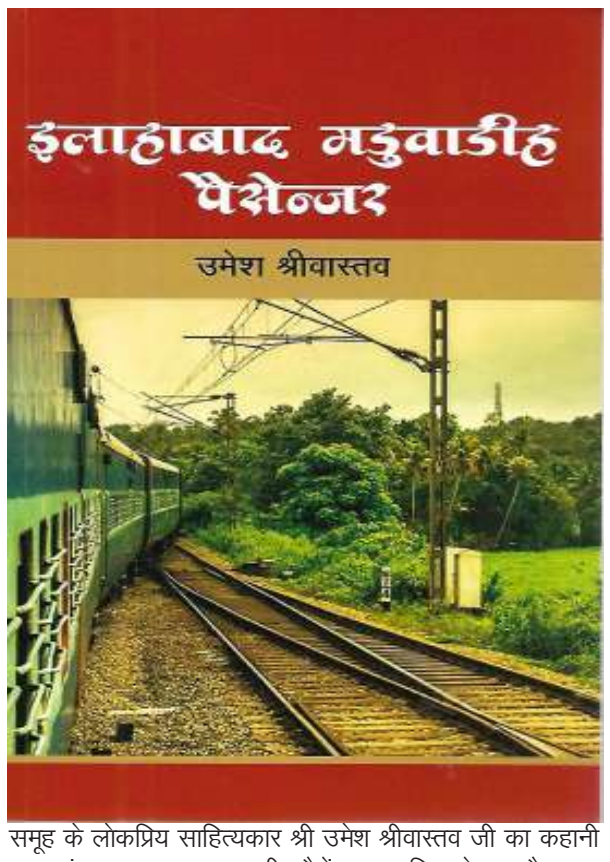

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

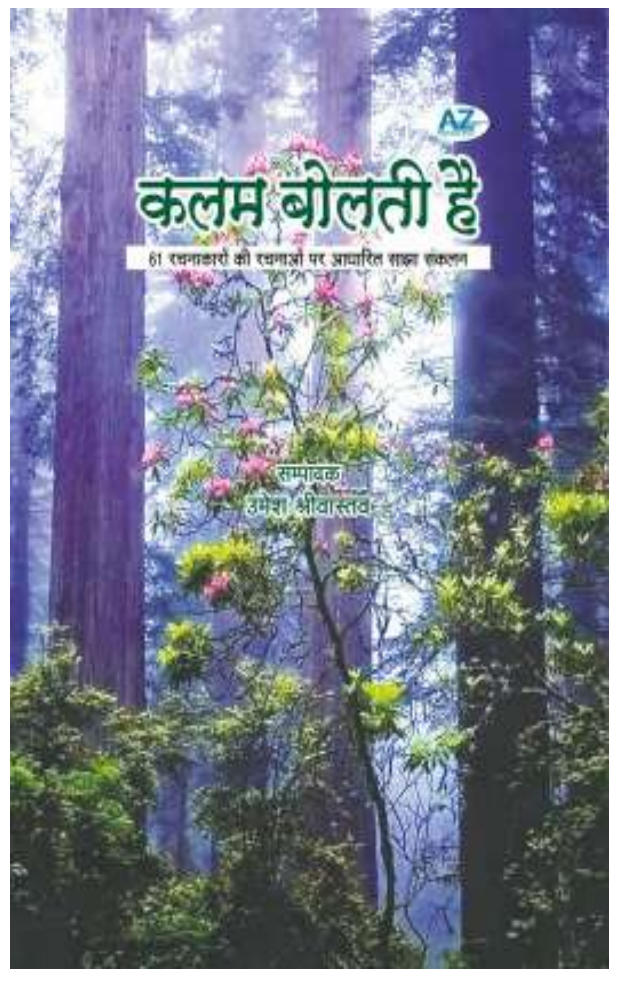

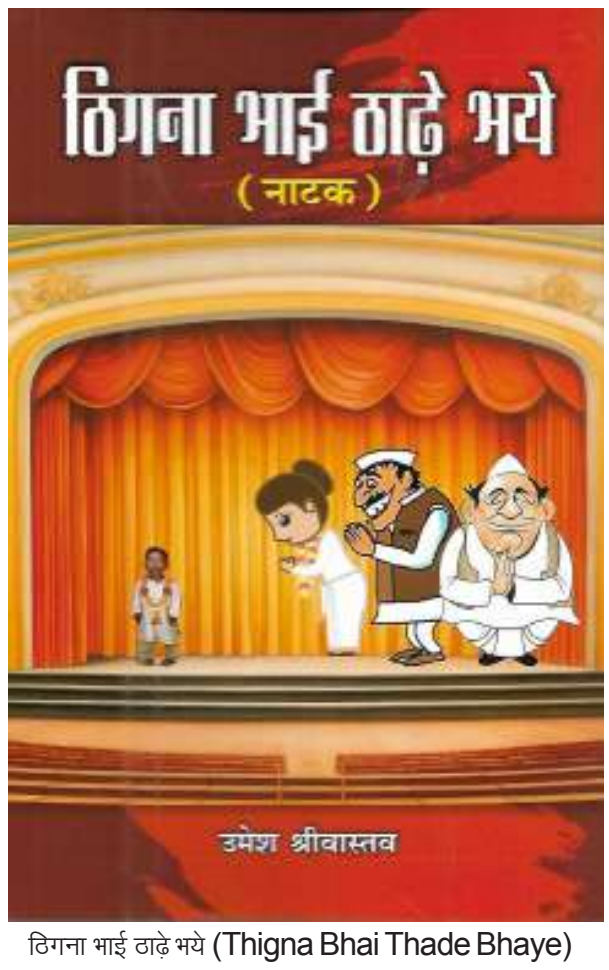

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पोप पर उपचार का सकारात्मक प्रभाव दिख रहा

पोप फ्रांसिस रविवार को दोहरे निमोनिया के प्रकोप से उबरते हुए दिखे और उनके चिकित्सकों ने कुछ सकारात्मक खबरें दी हैं। पोप के चिकित्सकों ने कहा कि अस्पताल में तीन सप्ताह से अधिक समय बिताने के बाद उन पर उपचार का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है और हाल के दिनों में उनकी हालत में 'धीरे–धीरे, थोड़ा सुधार' हुआ है। रविवार की सुबह ताजा सूचना में, वेटिकन ने कहा कि फ्रांसिस एक राहत भरी रात के बाद आराम कर रहे हैं। 88 वर्षीय पोप लगातार चौथे रविवार को अपने साप्ताहिक आशीर्वाद समारोह के लिए उपस्थित नहीं होंगे, हालांकि वेटिकन ने उस संदेश को प्रसारित करने की योजना बनाई है जो

पोप स्वस्थ होने पर लोगों को देते। वेटिकन के एक बयान में शनिवार को चिकित्सकों के हवाले से कहा गया था कि पोप को फेफड़ों की पुरानी बीमारी है और युवावस्था में उनके एक फेफड़े का हिस्सा निकाल दिया गया था। उनकी हालत स्थिर बनी हुई है, उन्हें कई दिन से बुखार नहीं है और उनके रक्त में ऑक्सीजन का स्तर अच्छा है। डॉक्टरों ने कहा कि ऐसी स्थिरता "उपचार के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया को बयां करती है"। यह पहली बार है जब चिकित्सकों ने बताया कि फेफड़ों के जटिल संक्रमण के उपचार के बाद फ्रांसिस की सेहत में सुधार दिखाई दे रहा है। गत 14 फरवरी को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के बाद फेफड़ों संबंधी समस्या का पता चला था। पहले इस बारे में जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई जिसका अर्थ यह निकाला जा रहा है कि वह खतरे से बाहर नहीं हैं। पोप की अनुपस्थिति में, वेटिकन के दिन–प्रतिदिन के कार्य उसके 'पवित्र वर्ष' की तैयारियों के साथ जारी हैं जिसमें प्रत्येक 25 वर्ष में लाखों तीर्थयात्री रोम आते हैं। पोप फ्रांसिस के करीबी कनाडाई कार्डिनल माइकल चेर्नी रविवार को स्वयंसेवकों के लिए पवित्र वर्ष का जश्न मना रहे हैं, जिसे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार फ्रांसिस को मनाना था। फ्रांसिस दिन में सांस लेने में मदद के लिए पूरक ऑक्सीजन के उच्च प्रवाह और रात में एक गैर–इन्वेसिव 'मैकेनिकल वेंटिलेशन मास्क' का उपयोग कर रहे हैं।

TikTok का मालिक कौन? एयरफोर्स वन में सवार होते-होते ट्रंप ने कर दिया खुलासा

चीनी एप से दूरी बनाने वालों में दुनियाभर के कई देश मौजूद हैं। अकेला भारत वो देश नहीं है जिसने चीनी एप से दूरी बनाई हो। अमेरिका भी चीनी एप से काफी हद तक दूरी बनाना चाहता है। इन एप्लिकेशन में सबसे पहला नाम टिकटॉक का आता है। अमेरिका में टिकटॉक को लेकर गजब का विवाद छिड़ा हुआ है। इसी विवाद के बीच एक ऐसी खबर सामने आ रही है जो सब को हैरान कर रही है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि उनकी सरकार टिकटॉक की बिक्री को लेकर चार अलग–अलग ग्रुप्स से बातचीत कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नवीनतम टिप्पणियों के अनुसार, चार अलग–अलग समूह चीनी स्वामित्व वाले वायरल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर नज़र गड़ाए हुए हैं। एयर फ़ोर्स वन में सवार ट्रंप ने मीडिया को बताया कि सभी विकल्प अच्छे लग रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर मालिक बाइटडांस को प्लेटफ़ॉर्म बेचने या प्रतिबंध का सामना करने के लिए मजबूर किया। 19 जनवरी को टिकटॉक प्रतिबंध प्रभावी हो गया, लेकिन 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद इसे तुरंत वापस ले लिया गया। इसके साथ ही बाइटडांस को अमेरिका में प्लेटफ़ॉर्म के भविष्य पर विचार करने के लिए 75 दिनों की लाइफलाइन दी। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि बाइटडांस अकेले अमेरिकी परिचालन को बेचने पर विचार करेगा (जैसा कि उबर ने भारत में उबर ईट्स के साथ किया था), या पूरे प्लेटफ़ॉर्म को चीनी टेक कंपनी की ओर से किसी भी आधिकारिक बयान की अनुपस्थिति को देखते हुए। ट्रंप ने मीडिया से कहा कि हम चार अलग–अलग समूहों से निपट रहे हैं। टिकटॉक ने कई लोगों की रुचि को बढ़ाया, जिनमें फ्रैंक मैककोर्ट (एमएलबी टीम लॉस एंजिल्स डोजर्स के पूर्व मालिक), एलेक्सिस ओहानियन (रेडिट के सह–संस्थापक), जेसी टिंसले (तकनीकी निवेशक), जिमी डोनाल्डसन उर्फ घ्घमिस्टरबीस्ट (यूट्यूब व्यक्तित्व), और रीड रैसनर (व्योमिंग–आधारित उद्यमी) शामिल हैं। कुछ विशेषज्ञों का अनुमान है कि ज्पाज्वा की कीमत लगभग 50 अरब डॉलर तक हो सकती है।

'समय के साथ कनाडा–मेक्सिको पर टैरिफ बढ़ सकते हैं', राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ताजा बयान में कहा है कि समय के साथ कनाडा और मेक्सिको पर भविष्य में टैरिफ बढ़ सकते हैं। ट्रंप ने ये भी कहा कि वैश्विक समुदाय ने अमेरिका से लंबे समय तक फायदा उठाया। सीईओ के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अब व्यापार जगत टैरिफ को लेकर आई स्पष्टता को देख सकता है। कई वर्षों तक विश्व भर के देशों ने अमेरिका का फायदा उठाया। उन्होंने अमेरिका से पैसा लिया और अब हम इसे वापस ला रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि जो देश हमारे साथ जैसा करेगा, हम भी उसके साथ वैसा ही करेंगे। गौरतलब है कि ट्रंप ने कनाडा और मेक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। ट्रंप ने दोनों देशों पर यह टैरिफ अवैध अप्रवासन पर लगाम न लगाने के लिए और अमेरिका में फेंटानिल ड्रग की आवक के लिए लगाया है। ट्रंप का मानना है कि कनाडा और मेक्सिको के जरिए ही अमेरिका में फेंटानिल ड्रग की तस्करी होती है, जिससे अमेरिका में लाखों लोग मर चुके हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत-रूस की दोस्ती तुड़वाना चाहते हैं ट्रंप ? दे दिया अब कौन सा नया ऑफर

भारत और रूस की दोस्ती वर्षों पुरानी है। लेकिन इन दिनों कूटनीति कहे या मौजूदा जरूरत रूस के कट्टर दुश्मन अमेरिका से भी भारत की नजदीकियां पहले के मुकाबले काफी बढ़ी है। अमेरिका और भारत की क़रीबी बहुत पुरानी नहीं है लेकिन सामरिक साझेदारी के तौर पर बहुत ही अहम है। अमेरिका की नजर भारत के डिफेंस बाजार पर भी है। जिस पर सालों से रूस का ही आधिपथ्य रहा है। अब अमेरिका भारत ते पुराने दोस्त और हथियारों के सप्लायर रूस के बाजार में सेंध लगाना चाहता है या फिर कहें कि हथियाना चाहता है। तभी तो अमेरिका की तरफ से एक बार फिर से सार्वजनित तौर पर कहा गया है कि रूस छोड़कर भारत हमसे ही हथियार खरीद। अभी हाल ही में इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में अमेरिकी के वाणिज्य सचिव ने हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि आप अपनी रक्षा– सुरक्षा के लिए फ्रांस और ब्रिटेन में निर्भर रहे। इससे बुरा क्या हो सकता है। देखिए, अमेरिका दुनिया में सबसे बेहतर रक्षा प्रणाली तैयार करता है, निर्माण करता है और सप्लाई करता है। आप कभी भी फ्रांस और ब्रिटेन को अपना सप्लायर नहीं बना सकते। साथ ही रूस भी जिसके ऊपर आप निर्भर कर सकें और अपनी आजादी देख सकें। अमेरिकी रक्षा उद्योग दुनिया में सबसे बेहतर और उम्दा है। ये पूरी तरह से भारत के लिए भी अच्छा है। तो आप नामसमझ लोगों की बातों को सुनना बंद करें और अमेरिका से आकर बात करें। जो कि आपके प्रधानमंत्री ने किया भी है। उन्होंने अच्छा काम किया। जब वो यहां थे। ये कोई पहली दफा नहीं है जब अमेरिका ने सार्वजनिक मंच पर रूस का इस अंदाज में मजाक उड़ाया हो। इस वक्त अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं और ट्रंप की फ्रांस के साथ अच्छी बनती नहीं है। इसलिए अमेरिका के निशाने पर फ्रांस भी रहा। ट्रंप सरकार के प्रतिनिधि चाहे वो कोई भी मौका लगते ही यूरोप, फ्रांस, ब्रिटेन या कोई और देश उसका मजाक बनाना नहीं भूलते और यही वजह है कि अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने भी भारत को बार बार इस बात पर जोर देते हुए कहा कि भारत और अमेरिका एक अच्छे दोस्त हो सकते हैं और अमेरिका दुनिया का सबसे अच्छा रक्षा उद्योग है और तकनीक निर्माण करता है। ऐसे में भारत को रूस, फ्रांस, ब्रिटेन पर अपनी निर्भरता को छोड़कर अमेरिका के साथ एक मजबूत गठजोड़ करना चाहिए। इस दिशा में उन्होंने पीएम मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति की मुलाकात की ओर इशारा करते हुए कहा कि ये सही दिशा में उठाया हुआ कदम है। हाल ही में अमेरिका ने भारत को एक प्रेस कॉन्फेंस के दौरान एफ–35 का ऑफर दिया। हालांकि ये ऑफर कोई कागजी तौर पर नहीं बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा दिया गया। इससे पहले भी अमेरिका लगातार ये चाहता रहा है कि भारत रूस से अपने हथियारों की निर्भरता को कम कर दे और अमेरिका के साथ ज्यादा से ज्यादा रक्षा सहयोग पर काम करे। हालांकि भारत ने हमेशा से ये कहा है कि रूस भारत का हमेशा से एक विश्वसनीय साथी है। हालात कोई भी हो भारत रूस का साथ नहीं छोड़ता है। रूस के साथ भारत का रक्षा सौदा एस–400 और एके–203 राइफल तक ही सीमित नहीं है। रूस की तरफ से भारत की तीनों सेनाओं के लिए रक्षा उपकरण मुहैया कराई जाती है। भारतीय वायु सेना के रूसी मिग–29 और सुखोई–30 इसके कुछ जीवंत उदाहरण हैं। नौ सेना की बात करें तो रूसी जेट और पोत भी उसके बेड़े में शामिल हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो भारत और रूस के बीच एक मजबूत रक्षा सहयोग है। स्घ्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक, 2010 से 2019 तक रूस ने अपने हथघ्यिार निर्यात का एक–तिहाई हिस्घ्सा भारत को बेचा है। वर्तमान दौर में जल, थल और आसमान में हिन्दुस्तान की ताकत का कोई सानी नहीं है। भारतीय जवानों के साथ कदम से कदम मिलते हैं तो दुश्मन के दिल हिलते हैं।

अमेरिकी मदद के बावजूद रूस का मुकाबला नहीं कर पाएगा यूक्रेन

ट्रंप ने क्या पुतिन के सामने कर दिया सरेंडर?

बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिया कि अमेरिकी समर्थन के बावजूद यूक्रेन रूस के खिलाफ युद्ध में नहीं जीत सकता है। राष्ट्रपति की ओर से यह घोषणा फॉक्स न्यूज के साथ उनके साक्षात्कार के दौरान आई। रूस के साथ युद्ध के दौरान यूक्रेन को समर्थन रोकने के उनके प्रशासन के विवादास्पद निर्णय के बारे में पूछे जाने पर, ट्रम्प ने कहा कि देश में कुछ कमज़ोरियाँ हैं। ट्रम्प की यह टिप्पणी पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा के इस बयान के एक सप्ताह बाद आई है कि अमेरिकी समर्थन के बिना, यूक्रेन नहीं बच पाएगा। पोलिश नेता की टिप्पणी पर उनकी प्रतिक्रिया के लिए पूछे जाने पर, ट्रम्प ने कहा कि ठीक है, यह वैसे भी नहीं बच सकता। आप जानते हैं, रूस के साथ हमारी कुछ कमज़ोरियाँ हैं। आप जानते हैं, इसके लिए दो लोगों की ज़रूरत होती है। देखिए, ऐसा होने वाला नहीं था, यह हो गया। इसलिए अब हम इस झंझट में फंस गए हैं। ट्रंप ने दावा किया कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें दो युद्ध और एक सीमा संकट में डाल दिया। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की सोमवार को क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात के लिए सऊदी अरब का दौरा करेंगे। यूक्रेन के राजनयिक और सैन्य प्रतिनिधि भी मंगलवार को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मिलने वाले हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन में युद्ध के समाधान के लिए रूस पर प्रतिबंध और शुल्क लगाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर एक पोस्ट में कहा कि ये प्रतिबंध तब तक बरकरार रह सकते हैं, जब तक कि युद्ध विराम और शांति पर अंतिम समझौता नहीं हो जाता। यह पोस्ट ऐसे समय में आया है जब ट्रंप को यूक्रेन पर समझौते के उद्देश्य से दबाव बढ़ाने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जबकि वह तीन साल पहले आक्रमण करके युद्ध शुरू करने के लिए रूस की जिम्मेदारी को कम करके आंक रहे हैं या यहां तक घ्कि उसे नकार भी रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि रूस और यूक्रेन, अभी बातचीत की मेज पर आएं, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।

रूस ने कुर्स्क में पीछे से यूक्रेनी सैनिकों पर हमले के लिए गैस पाइपलाइन का इस्तेमाल किया

यूक्रेन की सेना और रूस के युद्ध ब्लॉगर्स ने दावा किया है कि रूसी विशेष बल कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी इकाइयों पर पीछे से हमला करने के लिए एक गैस पाइपलाइन के अंदर कई किलोमीटर पैदल चल कर गए। मॉस्को अपने सीमावर्ती प्रांत के कुछ हिस्सों को फिर से अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रहा है, जिस पर कीव ने एक हमले में कब्जा कर लिया था। अगस्त में यूक्रेन ने कुर्स्क में सीमा के भीतर घुसकर एक दुस्साहसपूर्ण हमला किया था जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से रूसी क्षेत्र पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। कुछ ही दिन में, यूक्रेनी इकाइयों ने 1,000 वर्ग किलोमीटर (386 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था जिसमें रणनीतिक सीमावर्ती शहर सुदजा भी शामिल था। कीव के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य भविष्य की शांति वार्ता में मोलभाव करना और रूस को पूर्वी यूक्रेन में अपने आक्रामक अभियान से सैनिकों को हटाने के लिए मजबूर करना था। लेकिन यूक्रेन के धमाकेदार अभियान के महीनों बाद, कुर्स्क में उसके सैनिक 50,000 से अधिक सैनिकों के लगातार हमलों से थके हुए हैं। हमला करने वालों में रूस के सहयोगी उत्तर कोरिया के कुछ सैनिक भी शामिल थे। युद्ध क्षेत्र के मानचित्रों से पता चलता है कि हजारों यूक्रेनी सैनिकों को घेर लिए जाने का जोखिम है। यूक्रेन में जन्मे, क्रेमलिन समर्थक एक ब्लॉगर द्वारा डाली गई टेलीग्राम पोस्ट के अनुसार, रूस के बल पाइपलाइन के अंदर लगभग 15 किलोमीटर (9 मील) तक चले, जिसका उपयोग मॉस्को हाल के दिनों तक यूरोप को गैस भेजने के लिए करता था। ब्लॉगर यूरी पोडोल्याका ने दावा किया कि कुछ रूसी सैनिकों ने सुदज़ा शहर के पास पीछे से यूक्रेनी इकाइयों पर हमला करने से पहले कई दिन पाइप में बिताए थे। यूक्रेन पर फरवरी 2022 के रूसी आक्रमण से पहले शहर में लगभग 5,000 निवासी थे और यहां पाइपलाइन के साथ प्रमुख गैस स्थानांतरण और मापन स्टेशन हैं। यह कभी यूक्रेनी क्षेत्र के माध्यम से रूसी प्राकृतिक गैस निर्यात के लिए एक प्रमुख केंद्र था। एक अन्य युद्ध ब्लॉगर ने कहा कि सुदजा के लिए भीषण लड़ाई चल रही है और रूसी सेना गैस पाइपलाइन के माध्यम से शहर में प्रवेश करने में सफल रही। 'एसोसिएटिड प्रेस' इन ब्लागर्स के खातों की प्रामाणिकता का सत्यापन नहीं कर सकी और रूस के अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि उसके सैनिकों ने सुदज़ा के उत्तर और उत्तर–पश्चिम में चार गांवों पर कब्जा कर लिया है, जिनमें से

सबसे नजदीकी गांव शहर के केंद्र से लगभग 12 किलोमीटर (7.5 मील) दूर है। यह दावा मंत्रालय द्वारा सुदजा के पास तीन और गांवों पर कब्जा करने की रिपोर्ट के एक दिन बाद आया है। यूक्रेन ने रूसी दावों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को एक साक्षात्कार में कहा कि यूक्रेन शायद अस्तित्व में न रहे। फॉक्स न्यूज चौनल के कार्यक्रम संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स में एक साक्षात्कार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप से पूछा गया कि पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने यूक्रेन की मदद बंद कर दी, तो उसका अस्तित्व खत्म हो जाएगा। उन्होंने जवाब दिया, "खैर, वह वैसे भी बच नहीं सकता।

वानुआतु की नागरिकता लेकर खुश हुए थे ललित मोदी, अब वहां के पीएम के एक निर्देश ने बढ़ा दिया संकट

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व संस्थापक ललित मोदी द्वारा लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में अपना भारतीय पासपोर्ट जमा करने के लिए आवेदन दायर करने के कुछ दिनों बाद, वानूआतू के प्रधानमंत्री जोथम नापत ने सोमवार को नागरिकता आयोग को मोदी को जारी पासपोर्ट रद्द करने का निर्देश देते हुए कहा कि भगोड़ा अपने प्रत्यर्पण से बचने का प्रयास कर रहा है। यह घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय मीडिया में हाल ही में हुए खुलासे के बाद सामने आया है कि पूर्व आईपीएल प्रमुख आईपीएल के शीर्ष बॉस के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान करोड़ों रुपये के गबन में उनकी कथित संलिप्तता के संबंध में भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा वांछित हैं। वानूआतू गणराज्य द्वारा जारी एक आधिकारिक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया, घ्मैंने नागरिकता आयोग को निर्देश दिया है कि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में हाल ही में हुए खुलासे के बाद श्री ललित मोदी को जारी किया गया वानुअतु पासपोर्ट रद्द कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि मुझे पिछले 24 घंटों में पता चला है कि इंटरपोल ने दो बार भारतीय अधिकारियों के ललित मोदी पर अलर्ट नोटिस जारी करने के अनुरोध को खारिज कर दिया है, क्योंकि उनके पास कोई ठोस न्यायिक सबूत नहीं है।

ड्रैगन और हाथी की जोड़ी...भारत का नाम लेकर चीन ने अमेरिका को तगड़ा धो दिया

चीन ने पहली बार भारत की तारीफ करते हुए अमेरिका पर बड़ा हमला कर दिया है। चीन ने अमेरिका को धमकी दी है जिसने नया बवाल शुरू कर दिया। आपको बता दें कि अमेरिका और चीन के बीच जबरदस्त जुबानी और व्यापारिक जंग शुरू हो चुकी है। हालात इतने गंभीर हैं कि चीन ने यहां तक कह दिया है कि ट्रेड वॉर छोड़िए हम तो अमेरिका से हर तरह की जंग लड़ने

को तैयार हैं और वो भी अंत तक। इसके जवाब में अमेरिका ने भी कहा है कि हमने भी पूरी तैयारी कर ली है। दरअसल, अमेरिका ने चीनी सामान के आयात पर 20 प्रतिशत टैरिफ लागू करने करने की घोषणा कर दी है। जिसके जवाब में चीन ने कहा है कि अगर अमेरिका युद्ध चाहता है, चाहे वो टैरिफ युद्ध हो, व्यापार युद्ध हो या कोई अन्य प्रकार का युद्ध हम अंत तक लड़ने के लिए तैयार हैं। चीन ने अमेरिकी टैरिफ का जवाब देते हुए अपनी तरफ से भी अमेरिकी उत्पादों पर 10 से 15 प्रतिशत टैरिफ लगा दिए हैं। इसके साथ ही चीन ने 25 अमेरिकी कंपनियों को रोक दिया है। यानी आने वाले दिनों में चीन और अमेरिका के बीच बहुत बड़ी जंग छिड़ने वाली है। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि अमेरिका से भिड़ते वक्त चीन ने अचानक भारत को अपना दोस्त बोलना शुरू कर दिया है। चीन भारत के साथ प्यारी प्यारी बातें करने लगा है। चीन ने भारत का नाम लेते हुए कहा है कि आज के समय मे हाथी और ड्रैगन के बीच साझेदारी सबसे अहम है। चीन भारत को हाथी और खुद को ड्रैगन बोलता है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि भारत और चीन के रिश्तों को बेहतर बनाने का इकलौता रास्ता यही है कि हाथी और ड्रैगन ताल से ताल मिलाकर चले। वांग यी ने कहा है कि दोनों देशों के पास एक दूसरे को नीचा दिखाने की बजाए सपोर्ट करने की ज्यादा जरूरत है। इसलिए भारत और चीन को मिलकर एक दूसरे की सफलता के लिए सहयोग देना चाहिए। वांग यी ने ये भी कहा है कि भारत और चीन को अपने रिश्तों को सीमा विवाद से परिभाषित नहीं करना चाहिए और न ही किसी खास मतभेद को अपने पूरे रिश्ते पर हावी होने देना चाहिए।

तकनीकी खराबी के चलते 10 घंटे बाद वापस शिकागो लौटा विमान, अब एयर इंडिया ने घटना को लेकर दी सफाई

शिकागो। एयर इंडिया की शिकागो–दिल्ली हवाई सेवा को तकनीकी खराबी के चलते वापस शिकागो लौटना पड़ा। एयर इंडिया के विमान ने गुरुवार को अमेरिका के शिकागो से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन करीब 10 घंटे बाद विमान को वापस शिकागो लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।